10 जनवरी 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बीपीएससी पुनर्परीक्षा को लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आज भारत दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है : पीएम मोदी

भुवनेश्वर में 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन

एजेंसी/भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यहां पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे बहुत खुशी होती है, जब पूरी दुनिया में आप सभी साथियों से मिलता हूं, आपसे बातचीत करता हूं। जो प्यार मुझे मिलता है, वो भूल नहीं सकता हूं। आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं, हमारा जीवन ही विविधता प्रदान करता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इस सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता है।

उन्होंने कहा कि भारत की सफलता आज दुनिया देख रही है। आज जब भारत का चंद्रयान शिव शक्ति प्वाइंट पर पहुंचता है, तो हम सब को गर्व होता है। आज जब दुनिया, डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत, अपना पॉइंट तो मजबूती से कायम है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है।

पीएम मोदी ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई: प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन 'प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से ट्रेन ने सफर शुरू किया। यह ट्रेन प्रवासी भारतीयों को तीन सप्ताह तक देशभर के कई पर्यटक और धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी।

खबरें फटाफट

राजस्थान में मालगाड़ी के चार डिब्बे हुए डिरेल, पटरी टूटी

नई दिल्ली। राजस्थान के सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार शाम को एक बड़ा रेल हादसा हुआ, जब एक मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर गए। यह मालगाड़ी कोटा से दिल्ली की ओर जा रही थी। यह घटना पिछले तीन महीनों में सवाई माधोपुर स्टेशन पर हुआ दूसरा रेल हादसा है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी एक मालगाड़ी के डिब्बे यार्ड में पटरी से उतर गए थे। मालगाड़ी के सभी डिब्बों में कोयला भरा हुआ था। जैसे ही यह मालगाड़ी सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी, यार्ड के पास पटरी बदलते वक्त अचानक चार डिब्बे एक के बाद एक पटरी से उतर गए। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों के साथ-साथ जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई और न ही रेलवे ट्रैक पर कोई रुकावट आई। अन्य ट्रेनों का संचालन जारी रहा। रेलवे के तकनीकी अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जांच शुरू की। हादसे में एक पटरी भी पूरी तरह से टूट गई, जिससे जांच की आवश्यकता बन गई है।

बुधवार की रात 9:30 बजे अचानक मची भगदड़ के कारण हुआ हादसा

तिरुपति बालाजी मंदिर में विशेष दर्शन करने पहुंचे छह लोगों की दबने से मौत

- विशेष दर्शन के लिए टोकन काउंटरों पर जमा हो गई थी भक्तों की भारी भीड़
- हर कोई जल्दी टोकन पाना चाहता था, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई, घटना में 40 लोग घायल

एजेंसी/तिरुपति

आंध्र प्रदेश का तिरुपति बालाजी मंदिर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है। आस्था के इस केंद्र से बुधवार की रात एक बेहद दुखद खबर सामने आई। तिरुपति बालाजी मंदिर में बुधवार की रात 9:30 बजे भगदड़ मचने से एक महिला सहित 6 लोगों की मौत हो गई और 40 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना वैकुंठ द्वार दर्शन के टिकट काउंटर के पास हुई। इस हादसे के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और दर्शन के नियमों पर कई सवाल उठ रहे हैं।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने वैकुंठ एकादशी के उपलक्ष्य में 10 दिनों तक विशेष दर्शन की व्यवस्था की थी। यह दर्शन 10 जनवरी से 19 जनवरी तक वैकुंठ द्वार से होने थे। इसके लिए टीटीडी ने स्पेशल दर्शन टोकन जारी करने की घोषणा की। ये टोकन 9 जनवरी सुबह 5 बजे से तिरुपति और तिरुमाला के काउंटरों पर मिलने थे। सुबह होते ही भक्तों की भारी भीड़ टोकन काउंटरों पर इकट्ठा होने लगी। हर कोई जल्दी टोकन पाना चाहता था, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई। इसका नतीजा यह हुआ कि 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 घायल हो गए।

सीएम ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के दिए निर्देश

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति में तिरुमला श्रीवारी वैकुंठ द्वार के दर्शन को लेकर टिकट वितरण केंद्रों पर हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस अवसर पर सीएम ने अधिकारियों और नेताओं के साथ बैरागीपट्टी स्थित उस क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां भगदड़ मची थी। सीएम ने तिरुपति जिला कलेक्टर, एसपी और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम जेईओ गौतमी से भी अपना रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत और दर्जनों अन्य का घायल होना एक अक्षम्य गलती है। पद्धति के अनुसार कार्य करने के आदेश जारी किए गए। अधिकारियों से पूछा गया कि जब वे केवल 2,000 लोगों को ही स्थान दे सकते थे तो उन्होंने 2,500 लोगों को कैसे अनुमति दी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की सलाह दी है।

तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ दशार्ती है कि लोगों की आस्था कितनी गहरी है। रोजाना 50 हजार से 1 लाख लोग दर्शन के लिए आते हैं। सामान्य दर्शन में 1 से 3 दिन लग सकते हैं, भीड़ ज्यादा हो तो इसका समय और भी बढ़ जाता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग दर्शन करने के लिए कई घंटों से लेकर कई दिनों तक मंदिर के पास रूककर दर्शन का इंतजार करते हैं।

पीएम मोदी, अमित शाह व राहुल गांधी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुपति में विष्णु निवासम के पास हुई दुखद भगदड़ के चलते भक्तों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया. पीएम मोदी ने कहा कि राज्य सरकार घटना के पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया और तिरुपति भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। शाह ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'तिरुपति मंदिर में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भगदड़ में जान गंवाने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। घटना के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से इस कठिन समय में हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने लिखा, 'तिरुपति में हुई दुखद भगदड़ बेहद दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

लखीसराय में ट्रेन से कटकर 3 सगी बहनों की दर्दनाक मौत

पटरी को पार करने के दौरान हुआ हादसा

केटी न्यूज/पटना

लखीसराय में हमसफर ट्रेन की चपेट में आने से तीन सगी बहनों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब वह पैसेंजर ट्रेन से उतर रही थीं। परिजनों ने बताया कि तीनों बहनें श्राद्ध में शामिल होने पहुंची थीं। इसी दौरान यह घटना हुई। मृतकों की पहचान पिपरिया निवासी संसर देवी (42), पीरगौरा निवासी चंपा देवी (55) और राधा देवी (60) के रूप में हुई है। इस घटना में एक अन्य महिला भी घायल है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चार बहनें लखीसराय से पैसेंजर ट्रेन से शहीद जितेंद्र हाल्ट गयीं थीं। शहीद जितेंद्र हाल्ट पर ट्रेन के रुकते ही एक पैसेंजर ट्रेन से उतरकर बगल वाली पटरी को पार करने गई। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। जब तक वह लोग कुछ समझ पाती, तब तक हमसफर ट्रेन तीनों महिलाओं को रौंदते हुए निकल गई। इस घटना में संसर देवी, चंपा देवी और राधा देवी ट्रेन से कट गयीं, जबकि चौथी बहन इस घटना में घायल हो गई। खबर लिखे जाने तक वह अबतक बेहोश थी, जिस वजह से उनकी पहचान नहीं हो पायी है। हालांकि लोगों का कहना है कि वह महिला मरने वाली की ही बहन है।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि चारों बहनें बड़े बहनोई साधु मंडल के भाई शंभू मंडल के ब्रह्मभोज में शामिल होने जा रही थीं। इसी बीच चानन के शहीद जितेंद्र हाल्ट के पास हमसफर ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे तीनों बहनों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। तीनों की लाश लगभग 20 फीट दूर ट्रैक पर बिखर गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लखीसराय सदर अस्पताल भेज दिया। पटरी पार करने के दौरान आए दिन लोगों की जान जा रही है लेकिन इसके बाद भी लोग इससे सबक नहीं ले रहे। लखीसराय में ट्रैक पार करने के दौरान तीनों बहनें चौंकन्ना रहतीं तो ये हादसा नहीं होता।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

एजेंसी/सुकमा

छत्तीसगढ़ में सुकमा के बार्डर एरिया में चल रहे मुठभेड़ में जवानों ने 3 माओवादियों को ढेर कर दिया। डिप्टी सीएम सह गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। अब तक तीन माओवादियों के शव जवानों ने बरामद किए हैं। गृहमंत्री ने बताया कि जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों को ये बड़ी सफलता मिली है। सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान पूरा होने के बाद पूरी जानकारी सामने आएगी।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 6 जनवरी को बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट कर माओवादियों ने कायराना हरकत को अंजाम दिया। इस ब्लास्ट में 8 डीआरजी जवान शहीद हुए थे और एक ड्राइवर की भी मौत हुई थी। नक्सलियों की इस करतूत से जवानों के बीच भारी गुस्सा है। गृहमंत्री ने कहा कि हमारे वीर जवानों की मेहनत और ताकत से जल्द ही बस्तर में नक्सलवाद को खत्म कर

दिया जाएगा। विजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का टाइमलाइन दिया है, उसपर हम खरे उतरेंगे।

नक्सलियों से एनकाउंटर सुकमा और बीजापुर के बार्डर एरिया में हुआ। सुकमा पुलिस के मुताबिक जवान रुटीन सर्च अभियान पर निकले थे। टीम में डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन की टीम शामिल है। संयुक्त अभियान के दौरान तीन माओवादी मारे गए हैं। साल 2025 में अबतक 9 नक्सली बस्तर में मारे जा चुके हैं।

बेटी को माता-पिता से पढ़ाई का खर्च वसूलने का पूरा अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक दंपति के विवाद को लेकर सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेटी को अपने माता-पिता से पढ़ाई का खर्च वसूलने का पूरा अधिकार है। माता-पिता को उनके आय के साधनों के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

26 साल से अलग रह रहे दंपति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। दंपति की बेटी आयरलैंड में पढ़ रही थी। बेटी ने पिछले दिनों अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपये लेने से इनकार कर दिया था। इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि बेटी को अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च वसूलने का एक अविभाज्य, कानूनी रूप से लागू करने योग्य और वैध अधिकार है। बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है। इसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के बेस कैंप पर हमला

एजेंसी/औरंगाबाद

बिहार के औरंगाबाद के अति नक्सल प्रभावित मदनपुर थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ कैंप तक सड़क निर्माण कार्य में लगे कंस्ट्रक्शन कंपनी के बेस कैंप पर बुधवार देर रात संदिग्ध नक्सलियों ने हमला कर दिया। घटना में एक जेसीबी मशीन को आग के हवाले कर दिया गया और पोस्टरबाजी के जरिए चेतावनी दी गई। यह घटना मदनपुर के दक्षिणी उमंगा पंचायत के चिल्हमी गांव के पास हुई।जानकारी के अनुसार, मैन बिगहा मोड़ से चिल्हमी गांव होते हुए सीआरपीएफ कैंप तक सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य में सुविधा के लिए सड़क निर्माण कंपनी ने चिल्हमी गांव के पास बेस कैंप बनाया था। रात में अज्ञात हमलावरों ने बेस कैंप पर धावा बोला और वहां मौजूद कर्मचारियों को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने बेस कैंप में खड़ी जेसीबी मशीन को आग के हवाले कर दिया।

घटना के बाद बेस कैंप की दीवारों पर लाल और हरे रंग के स्केच पेन से लिखे पोस्टर चिपकाए गए। इन पोस्टरों में माओवादी विचारधारा और गरीब-मजदूरों के शोषण के खिलाफ नारे लिखे गए। पोस्टर में लाल सलाम, गरीब मजदूर एक हैं और सामंतवादी पूंजीवादी दलाल मुर्दाबाद जैसे नारे शामिल थे। पोस्टर पर रीजनल कमिटी माओवादी का नाम लिखा गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने कहा कि घटना को नक्सलियों की करतूत का रूप देने की कोशिश की गई है। प्रारंभिक जांच में यह नक्सलियों की हरकत नहीं लग रही है, बल्कि असामाजिक तत्वों की साजिश प्रतीत होती है।

अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ की तैयारियां तेज

सोने-चांदी के तारों से बनी पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे रामलला

- दिल्ली में तैयार हो रही पीतांबरी आज पहुंचेगी अयोध्या
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे रामलला का अभिषेक

केटी न्यूज/अयोध्या

भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। 11 जनवरी से शुरू होने जा रहे समारोह को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम का आगाज और रामलला का अभिषेक करेंगे। रामलला को प्रतिष्ठा

द्वादशी के प्रथम दिन पीतांबरी पहनाई जाएगी। यह दिल्ली में तैयार की गई है। इसकी बुनाई व कढ़ाई सोने-चांदी के तारों से हुई है। यह 10 को अयोध्या पहुंच जाएगी, जिसे 11 को धारण कर रामलला दर्शन देंगे।

11 से 13 तक महोत्सव

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ का महोत्सव 11 से 13 जनवरी तक चलेगा, लेकिन 11 जनवरी का दिन खासा महत्वपूर्ण है। समारोह का शुभारंभ रामलला के अभिषेक से होगा। सुबह 10 बजे से रामलला के पूजन व अभिषेक का सिलसिला शुरू होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जिस विधि-विधान से रामलला का अभिषेक किया गया था, उसी तर्ज पर प्रतिष्ठा द्वादशी पर भी रामलला का अभिषेक पंचामृत, सरयू जल आदि से किया जाएगा। अभिषेक-पूजन के बाद ठीक 12:20 बजे रामलला की महाआरती होगी।

वर्षगांठ कार्यक्रम में 110 वीआईपी होंगे शामिल

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार करीब 110 वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। वहीं अंगद टीला स्थल पर भी एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है, जिसमें 5,000 लोगों तक की मेजबानी की जा सकती है। आम लोगों को भव्य कार्यक्रमों को देखने का अवसर मिलेगा, जिसमें मंडप और यज्ञशाला में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शास्त्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन, अनुष्ठान और राम कथा प्रवचन शामिल हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है, जो पिछले साल अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिनों के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

संत व भक्तों को भेजा गया है निमंत्रण: मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, यज्ञ स्थल पर सजावट और उत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं। मंडप और यज्ञशाला इन उत्सवों के प्रमुख स्थल होंगे। आम लोगों के लिए राम मंदिर समारोह का हिस्सा बनने का यह दुर्लभ अवसर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को मंदिर में रामलला का अभिषेक करेंगे। ट्रस्ट ने पहले ही देश भर के संतों और भक्तों को निमंत्रण भेजा है।

अगर गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था तो इसे बंद करें: उमर अब्दुल्ला

एजेंसी/नई दिल्ली

कुछ समय से विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के नेताओं के बीच के मनमुटाव की खबरें चर्चा में रही हैं। अब ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के बाद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इंडिया ब्लॉक के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि बदकिस्मती की बात है कि इंडिया ब्लॉक की कोई बैठक नहीं हो रही है। इसका लीडर कौन होगा? एजेंडा क्या होगा? अलायंस कैसे आगे बढ़ेगा? इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। हम अभी एक रहेंगे या नहीं इसे लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद अलायंस की मीटिंग होनी चाहिए। स्पष्टता आनी चाहिए। अगर अलायंस सिर्फ लोकसभा तक था तो ईंडिया अलायंस को बंद करो। लेकिन अगर विधानसभा में भी रखना है तो अलायंस को साथ काम करना चाहिए।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इससे पहले इंडिया ब्लॉक के टूटने के सवाल पर कहा था कि ये पहले से ही तय था कि ईंडिया ब्लॉक लोकसभा के लिए है।

छात्र सत्याग्रह के 8वें दिन भी प्रशांत किशोर का आमरण अनशन जारी

बीपीएससी पुनर्परीक्षा को लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज अब बीपीएससी अभ्यर्थियों के परीक्षा को कैंसिल करने और पूरे प्रकरण की जांच करने के मुद्दे को लेकर पटना उच्च न्यायालय में दस्तक लगाया है। जन सुराज पार्टी ने बीपीएससी अभ्यर्थियों की 70 वीं बीपीएससी परीक्षा को कैंसिल कर नर्परीक्षा की मांग को लेकर अब पटना उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर किया है। जन सुराज की ओर से अधिवक्ता प्रणव कुमार ने पटना उच्च न्यायालय में अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर कर 70वीं इढरउ परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा कराने की मांग की है। इसके साथ ही कोर्ट से अनुरोध किया है कि जब तक पुनर्परीक्षा न हो जाए तब तक परीक्षा के परिणाम घोषित नहीं किए जाए।

जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रधान किशोर 2 जनवरी से लगातार आमरण अनशन पर है इस बीच उनकी तबियत बिगड़ी और उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के क्व्व वार्ड में रखा गया है। आज उनके अनशन का 8वां दिन है। इस दौरान कई नेताओं के द्वारा जन सुराज और प्रशांत किशोर के आमरण अनशन और इढरउ मुद्दे को लेकर आरोप लगाया गया। जन सुराज अध्यक्ष मनोज भारती के नेतृत्व में सभी प्रमुख नेताओं ने प्रेसवार्ता की। इस प्रेसवार्ता में मौजूद जन सुराज युवा अध्यक्ष आनंद मिश्रा, किशोर कुमार मुन्ना, अधिवक्ता अमित कुमार, पूर्व टछउ रामबली चन्द्रवंदशी सभी ने अपना अपना वक्तव्य रखा।

बोले चिराग... बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुआ लाठीचार्ज गलत

लोजपा (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि जो लोग भी इस बात का प्रयास कर रहे हैं और जो लोग भी मुंगेरी लाल का सपना देख रहे हैं कि एनडीए में किसी प्रकार की टूट हो जाएगी या किसी तरीके से कोई घटक दल टूटकर किसी गठबंधन की तरफ चला जायेगा, तो यह नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि एक बात तय है कि आगामी बिहार विधान सभा का चुनाव बिहार के पांचों घटक दल एक साथ पूरी मजबूती से न सिर्फ हमलोग चुनाव लड़ेंगे, बल्कि एनडीए की एक मजबूत सरकार बिहार विधान सभा चुनाव के बाद बनने जा रही है। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर किये गये लाठीचार्ज पर चिराग पासवान ने कहा कि मैं लाठीचार्ज का कतई पक्षधर नहीं हूं। उन्होंने कहा कि छात्रों की बातों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनकी हर उचित मांग को पूरा किया जाना चाहिए। उनपर लाठी चलाया जाना कहीं से भी उचित नहीं है। हमेशा बातचीत का दरवाजा खुला रहना चाहिए, मैं इस बात का पक्षधर हूं।

प्रशांत किशोर गिरफ्तारी पर जन सुराज का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोपः बिना कस्टडी का कागज लिए प्रशांत किशोर को बेऊर जेल ले गई पुलिस, वहां जेल अधीक्षक ने बिना कागज उन्हें अंदर रखने से मना कर दिया। अधिवक्ता अमित कुमार ने बताया कि ये आश्चर्यजनक है कि जब प्रशांत किशोर को कोर्ट परिसर से निकाला गया, और बेऊर जेल की ओर ले गएं तब कोर्ट के अंदर हियरिंग चल ही रही थी। बिना कस्टडी के कागज लिए इन्होंने प्रशांत किशोर को बेऊर जेल ले जाना चाहा। वो तो जेल अधीक्षक ने बिना कस्टडी कागज के उन्हें अंदर रखने से मना कर दिया। प्रशांत किशोर और बीपीएससी छात्रों के साथ अनशन करने वाले लोगों पर गांधी मूर्ति के नीचे हथियार रखने का आरोप लगाया गया है, क्या बिहार सरकार कंबल और मफलर को हथियार मानती है। अधिवक्ता अमित कुमार ने बताया कि जिन धाराओं पर केस दर्ज किया गया है वह चौंकाने वाला है 191(3) यह धारा दंगा करने का दोषी, यह घातक हथियार रखने पर लगाया जाता। वहां पर किसी बच्चे के हाथ में एक छड़ी तक नहीं थी, कम्बल और मफलर को बिहार पुलिस हथियार मानती है तो बिहार पुलिस गजब है, ये सत्याग्रह था, यह किस तरह से उपद्रवी हो गया।

नियोजित कर्मियों के मानदेय में हुई बढ़ोत्तरी

पटना। सरकार ने सभी विभागीय सचिव नीतीश सरकार ने संविदा पर नियुक्त निम्न वर्गीय लिपिक और आशुलिपिकों के मानदेय का निर्धारण किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉक्टर बी. राजेन्दर ने सभी विभागों के सचिव, पुलिस महानिदेशक,प्रमंडलीय आयुक्त और जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि संविदा के आधार पर नियोजित आशुलिपिक एवं निम्न वर्गीय लिपिक के मानदेय का फिर से निर्धारण किया जाता है। अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि संविदा नियोजित आशु लिपिक एवं निम्न वर्गीय लिपिक के मानदेय का पुर्ननिर्धारण की अनुशंसा की गई है। आशुलिपिक, आशु-टंकक को प्रतिमाह तीस हजार रू मानदेय मिलेगा। यह 8 सितंबर 2023 से प्रभावी होगा। वहीं निम्न वर्गीय लिपिक का मानदेय 25 हजार होगा।

जहानाबाद में बालू तस्करी की सूचना पर पहुंचे पुलिस के जवानों को सैकड़ों लोगों ने घेरा, जान बचाकर भागना पड़ा

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद के हुलासगंज थाना क्षेत्र में फल्गु नदी से अवैध बालू कारोबार किया जा रहा था। पुलिस इसकी गुप्त सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया और अपने मालिक को सूचना दे दी। उसके बाद मौके पर सैकड़ों लोग पहुंच गए और पुलिस को घेर लिया। उसके बाद वे लोग पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। इस दौरान पुलिस को जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फल्गु नदी से अवैध बालू कारोबार किया जा रहा है। इसके आधार पर पुलिस इब्राहिमपुर गांव के पास नदी किनारे पहुंची तो देखा कि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पर नदी से बालू निकालकर लादी जा रही है। पुलिस को देखकर चालक मौके से फरार हो गया और इसकी सूचना अपने मालिक को दे दी।

इस दौरान पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लिया ही था कि गांव से लगभग 100 की संख्या में लोग मौके पहुंच गए और पुलिस को चारों ओर से घेर लिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों को यहां जान बचाना भी मुश्किल हो गई। लोगों से घिरे पुलिसकर्मियों ने इसकी सूचना अपने अधिकारियों को दी। इसके बाद और पुलिस बल वहां पहुंचा। इधर, थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि बड़ी मुश्किल से हम लोगों की जान बची। ट्रैक्टर चालक ने पहले तो गाड़ी को मुझ पर चढ़ाने की कोशिश की। हम लोग संख्या बल में काफी कम थे। लेकिन उधर बालू माफिया की ओर से सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। अतिरिक्त पुलिस बल के आने के बाद हम लोग ट्रैक्टर को लेकर आने में सफल हुए। उन्होंने बताया कि दो जिलों का सीमावर्ती इलाका होने का फायदा अवैध बालू माफिया उठा रहे हैं। खनन विभाग द्वारा इसे लेकर फिलहाल ट्रैक्टर चालक और उसके मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि हुलासगंज के पास गया जिला की सीमा शुरू होती है। ऐसे में बालू माफिया जिले की सीमा का लाभ उठाकर बचते रहे हैं। इस मामले में भी कुछ ऐसी ही बात थी। जहां बालू खनन हो रहा था, उसके चंद कदम की दूरी पर गया जिला की सीमा शुरू हो रही थी। फिलहाल पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है।

सांसद पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीता रंजन कोर्ट से बरी

पूर्णिया। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनकी पत्नी कांग्रेस सांसद रंजीता रंजन को एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। 15 साल पुराने मामले में कोर्ट ने बरी कर दिया है। 2009 के लोकसभा चुनाव के दौरान इनके ऊपर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था। कोर्ट ने सुनवाई पूरी करते हुए सबूतों के अभाव में तीनों को बरी कर दिया। सांसद पप्पू यादव के वकील मुरारी चौबे ने बताया कि पूर्णिया के तत्कालीन एसडीओ सह डीसीएलआर संजय उपाध्याय ने 8 मार्च, 2009 को केहाट थाने में कांड संख्या 75/09 दर्ज कराया था।

पटना-आरा रोड पर जाम से मिलेगी निजात कोईलवर पुल के पास लगेगा वर्टिकल बैरियर

केटी न्यूज/पटना

पटना से आरा तक दिसंबर महीने में 70 किलोमीटर तक जाम लग गया। 25 लाख से ज्यादा की आबादी परेशान हुई। बीस हजार से ज्यादा ट्रक कई दिनों तक सड़कों पर खड़े रहे। इस महाजाम ने कितनी शादियों को प्रभावित किया। कई लोग फ्लाइट पकड़ने से वंचित रह गए। दर्जनों मरीज जाम के झाम में कई दिनों तक फंसे रहे। ये सिलसिला आए दिन जारी रहता है। अब भोजपुर जिला प्रशासन ने इससे मुक्ति का उपाय खोज निकाला है। आरा-पटना रोड पर लगातार होने वाले जाम को कम करने के प्रयास जारी हैं। जिला प्रशासन का मानना है कि बालू से लदे ट्रक गलत लेन में प्रवेश कर जाते हैं। जिसकी वजह से ये जाम लगता है। उसके बाद भोजपुर जिला प्रशासन ने कोईलवर पुल के पास एक वर्टिकल बैरियर लगाने की प्लानिंग कर ली है। ये वर्टिकल बैरियर वाहनों को वहां से दूर ले जाकर फिर वापस करेगा। भोजपुर डीएम कार्यालय की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। जिसमें ये कहा गया है कि कोइलवर पुल के बिहटा छोर पर, वर्टिकल बैरियर स्थापित करने के लिए एक जगह निर्धारित की गई है जो बालू से लदे ट्रकों को गलत लेन में प्रवेश करने से रोकेगी। इसमें ये कहा गया है कि मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के निर्देश के बाद एक टीम का गठन कर इस समस्या का समाधान निकाला गया है। उसके बाद इस टीम में शामिल कई अधिकारियों ने रोड का निरीक्षण किया है।

चार विश्वविद्यालयों को मिले नए कुलपति

केटी न्यूज/पटना

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने चार विश्वविद्यालयों में नए कुलपति नियुक्त किए हैं। मुंगेर, पूर्णिया, नालंदा खुला विश्वविद्यालय और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में नई नियुक्तियां हुई हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बातचीत के बाद राज्यपाल ने यह फैसला लिया। यह राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पहला बड़ा फैसला है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने चार विश्वविद्यालयों के लिए नए कुलपतियों की घोषणा की।

प्रो. संजय कुमार को मुंगेर विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है। प्रो. विवेकानंद सिंह पूर्णिया विश्वविद्यालय के नए कुलपति होंगे। प्रो. रविंद्र कुमार नालंदा खुला विश्वविद्यालय की कमान संभालेंगे। डॉ. इंद्रजीत सिंह को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन गए। राज्यपाल के शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। माना जा रहा है कि इसी बैठक में कुलपतियों के नामों पर अंतिम मुहर लगी। इसके बाद राजभवन ने आधिकारिक रूप से नियुक्तियों की घोषणा की। प्रो. रविंद्र कुमार (पटना विश्वविद्यालय

के दर्शन विभाग के अध्यक्ष) को नालंदा खुला विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी, मुजफ्फरपुर के पूर्व प्रो-वीसी भी रह चुके हैं। पूर्व कुलपति प्रो. केसी सिन्हा के रिटायर होने के बाद से यह पद प्रभारी कुलपति के नेतृत्व में चल रहा था। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अब तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के अधीन था। अब प्रो. इंद्रजीत सिंह को इस विश्वविद्यालय का स्वतंत्र कुलपति बनाया गया है। मुंगेर विश्वविद्यालय की कमान नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो-वीसी प्रो. संजय कुमार को सौंपी गई है। पूर्णिया विश्वविद्यालय का नेतृत्व एनआईटी पटना के प्रो-वीसी प्रो. विवेकानंद सिंह करेंगे।

रिश्वत नहीं देने पर शिक्षकों को कमरे में किया गया बंद

गोपालगंज। गोपालगंज में एक हेडमास्टर ने शिक्षकों को सिर्फ इसलिए क्लासरूम में लॉक कर दिया कि, उन्होंने रिश्वत देने से इनकार कर दिया था। शिक्षकों को कमरे बंद करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में शिक्षकों का आरोप है कि संपत्ति का ब्योरा विभाग को भेजने के नाम पर हेडमास्टर के द्वारा पांच-पांच सौ रुपये घूस की मांग की जा रही थी। शिक्षकों के द्वारा जब रिश्वत देने से इनकार कर दिया तो हेडमास्टर ने कुर्सी से उठकर विरोध कर रहे सभी शिक्षकों को अपने कार्यालय में बंद कर ताला लगा दिया। कमरे में बंद शिक्षकों के द्वारा शोर मचाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने ताला खुलवाकर बाहर निकाला।

धान अधिप्राप्ति का अभी तक मात्र 31 प्रतिशत हुआ है लक्ष्य प्राप्त

धान खरीददारी में लाएं तेजी : मंत्री प्रेम

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने विभागीय समीक्षा में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति में तेजी जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति का अभी तक मात्र 31 प्रतिशत लक्ष्य ही प्राप्त हो सका है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को मिशन मोड में काम कर धान अधिप्राप्ति के शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति का निर्देश दिया। ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करने का निर्देश मंत्री प्रेम कुमार ने धान अधिप्राप्ति के ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करने का निर्देश सभी जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारी को दिया। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी प्रतिदिन फोन के माध्यम से कुछ किसानों से बात कर उन्हें धान अधिप्राप्ति हेतु प्रोत्साहित करेंगे। प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी करेंगे। प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी किसानों के बीच भ्रमण कर किसानों को धान अधिप्राप्ति हेतु प्रोत्साहित करेंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान सरकार द्वारा

निर्धारित धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठा सकें। माननीय मंत्री ने किसानों के खाते में उनके धान विक्रय की राशि को हर हाल में 48 घंटे के अन्दर भुगतान का भी निर्देश दिया।

लाभार्थियों को जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देशः मुख्यमंत्री फसल सहायता योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने इस योजना के सभी लाभार्थियों को जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया। मंत्री ने आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि 17 जनवरी, 2025 तक ज्यादा से ज्यादा पैक्सों को इस योजना में ऑनलाईन आवेदन करते हुए प्रोत्साहित करें ताकि पैक्सों के चयन में स्वस्थ प्रतियोगिता के आधार पर अच्छे पैक्सों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जा सके। समीक्षा के क्रम में मंत्री ने समितियों के अकेक्षण की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। मंत्री ने यह भी निदेश दिया कि जिस भी सहकारी समितियों के नियम, प्रावधान इत्यादि में परिवर्तन की आवश्यकता है उन्हें एक समिति के माध्यम से अवलोकन करा कर, जल्द से जल्द परिवर्तन का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाय ताकि इस पर अग्रेतर कार्रवाई किया जा सके। पैक्स प्रबंधको के कार्यकलापों की समीक्षा हेतु भी एक समिति के गठन का निर्देश दिया ताकि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप उनकी जवाबदेही निर्धारित की जा सके। मंत्री ने सहकारिता विभाग द्वारा जो अधिसंरचना संबंधी कार्य कराये जा रहें है जैसे सहकार भवन, गोदाम निर्माण इत्यादि के सतत अनुश्रवण की आवश्यकता पर बल दिया ताकि इसका निर्माण निर्धारित समयावधि पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराया जा सके।

पुराना भोजपुर में मोटर पार्ट्स दुकान में 2.20 लाख नगदी की चोरी

- देर रात की है घटना, सुबह में दुकानदार को हुई घटना की जानकारी, डीएसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा

केटी न्यूज/डुमरांव

बीती रात नया भोजपुर ओपी क्षेत्र के पुराना भोजपुर में चोरों ने पुलिस गश्त को चुनौती देते हुए एक मोटर पार्ट्स की दुकान में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है।

चोरी की यह वारदात पुराना भोजपुर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले चौक इलाके में हुई है। चोरों ने तारकेश्वर चौरसिया के मोटर पार्ट्स दुकान से 2 लाख 20 हजार रुपए नगद चुरा लिए हैं। दुकानदार को इस घटना की जानकारी सुबह में उस वक्त हुई जब वह दुकान खोलने पहुंचा। दुकान खोल वह जैसे ही अंदर गया तो अंदर का माजरा देख चौक गया। दुकान के पीछे बने दीवाल के उपरी हिस्से में बने वेंटिलेटर में लगे ईंट गायब थे तथा दुकान के कैश बॉक्स का ताला टूटा हुआ था। जिसे देख दुकानदार सकते में आ गया। जब उसने कैश बॉक्स की तलाशी ली तो उसमें रखे 2.2.20 लाख नगद रूपए गायब थे। जिसे उसने एक दिन पूर्व ही सामान खरीदने के लिए लाकर दुकान के कैश बॉक्स में रखा था, लेकिन रात में अज्ञात चोरों ने उसे चुरा लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित दुकानदार का कहना है कि वह गुरुवार को दुकान के लिए सामान की खरीदारी करने वाला था, जिसके लिए नगद रुपए दुकान में ही छोड़ रात में सोने के लिए घर चला गया था। इसी दौरान मध्य रात्रि चोरों ने रुपयों पर हाथ साफ कर दिया है। चोरी की इस वारदात में दुकान के कर्मियों की मिली भगत से इनकार नहीं किया जा सकता है।

बहरहाल चोरी की यह घटना स्थानीय पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में पुराना भोजपुर में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है, जिससे पुलिस के कार्यशैली पर सवाल उठ रहा है।

डीएसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा : चोरी की इस वारदात की जानकारी मिलते ही डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी मौके पर पहुंच घटना स्थल का जायजा लिए। वही, उन्होंने पीड़ित दुकानदार व उसके स्टाफो से बात कर घटना की जानकारी ली। उनके साथ सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ भी मौके पर पहुंचे थे। डीएसपी ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है तथा नया भोजपुर ओपी पुलिस टीम को फटकार भी लगाई है। उन्होंन पुराना भोजपुर सहित अन्य क्षेत्रों में गश्त तेज करने का निर्देश दिया है।

मामले की जांच की गई

“ मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच मामले की जांच की गई। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

- अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

एक नजर

जदयू का हर घर दस्तक अभियान शुरू, चौसा और पलिया पहुंचे एमएलसी

चौसा। जदयू के हर घर दस्तक अभियान के तहत गुरुवार को चौसा नगर पंचायत के अखौरीपुर गोला व पलिया पंचायत के सौरी गांव में अभियान चलाया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुरेश चौहान ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभियान के संयोजक विधान परिषद सदस्य रविन्द्र सिंह, प्रदेश महासचिव मनोरंजन गिरी व जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह मौजूद रहे। अपने संबोधन में एमएलसी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जदयू परिवार के सदस्य हर घर जाएंगे और लोगों को जानकारी देंगे। जिससे इस जनकल्याणकारी योजना से कोई परिवार वंचित नहीं रह सके। उन्होंने कहा कि सरकार एक शिशु जन्म लेने से लेकर एक बुजुर्ग की मृत्यु तक योजनाएं चला रही है। मौके पर जदयू जिला प्रवक्ता कुमार जैनेन्द्र उर्फ संतोष चौधरी, प्रखंड अध्यक्ष सुरेश चौहान एवं नगर अध्यक्ष रंजन पटेल, संजय सिंह, प्रभु गोंड, मो. मुस्तफा, मनोरंजन गिरी, हरीकिशुन राजभर, प्रीति पटेल, धर्मेंद्र ठाकुर, राजेश कुशवाहा, मोहन चौधरी, प्रेम जी मिश्रा, मुन्ना सिंह आदि उपस्थित थे।

नावानगर के बरांव पैक्स सदस्य पद के लिए चार ने किया नामांकन, 15 को मिलेगा चुनाव चिन्ह

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के गिरिधर बरांव पैक्स के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई। गुरुवार को पहले दिन कार्यकारणी सदस्य पद के लिए चार लोगों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। जबकि अध्यक्ष पद के लिए एक भी नामांकन नहीं हुआ। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ मनोज कुमार ने बताया कि पहले दिन एससी-एसटी वर्ग के लिए एक महिल व एक पुरुष, ओबीसी वर्ग में एक पुरुष तथा बीसी वर्ग में एक पुरुष उम्मीदवार ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। बीडीओ ने बताया कि 9 व 10 जनवरी को नमांकन पत्र दाखिल करने की तिथि निर्धारित की गई है। 11 जनवरी व 13 जनवरी को नमांकन पत्र की समीक्षा की जाएगी। 15 जनवरी को नाम वापसी के साथ ही चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा। 22 जनवरी को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगी। जबकि 23 जनवरी को प्रखंड कार्यालय के सभागार में मतगणना की जाएगी।

केसठ पीएचसी में 32 गर्भवती महिलाओं की हुई नि:शुल्क प्रसव पूर्व जांच

केसठ। प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच को लेकर गुरुवार को निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसको लेकर महिलाओं की भीड़ जुटी रही। शिविर का नेतृत्व पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार ने किया। वही चिकित्सक व एएनएम ने सभी महिलाओं को जांच किया। वही इस दौरान कुल 32 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की गई। गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था काल के दौरान होने वाले विभिन्न गंभीर बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव के उपाय तथा समय पर दवा खाने को लेकर विस्तार से जानकारियां दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची गर्भवती महिलाओं के सुगर का लेबल,ब्लड की मात्रा, एचआईवी और वजन की जांच की गई। इसके साथ ही उन्हें खानपान और सरकारी निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इस दौरान जरूरत के अनुसार गर्भवती महिलाओं को अस्पताल से आयरन एवं कैल्शियम की खुराक भी दी गई। मौके पर डा विजय कुमार पांडेय, रंजू सिंहा, विनोद कुमार, पप्पू कुमार, विक्की कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

जिले में बढ़ते लंबित मामलों को लेकर एसपी ने 30 अनुसंधानकर्ताओं का रोका वेतन

बक्सर। पुलिस अधिकारियों और कर्मियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में बक्सर एसपी सख्त है। जिसके तहत गुरुवार को बक्सर एसपी ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में 30 अनुसंधानकर्ताओं सह पुलिस पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। एसपी शुभम आर्य ने बताया ने पिछले कई दिनों से विभिन्न आपराधिक मामलों में दर्ज प्राथमिकी में अनुसंधान की गति को तेज करने के लिए सम्बन्धित आईओ (इन्वेस्टिगेशन ऑपरेशन) को प्रभार देने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद आईओ के स्तर से निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा था है। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि केस के अनुसंधान की गति धीमी होने के कारण लंबित पड़े आपराधिक मामलों की संख्या में बढ़ोत्तरी जारी है। जिसके कारण पीड़ित को इंसाफ मिलने में देर हो रही है। जिसको देखते हुए 30 पुलिस पदाधिकारियों पर कार्य में लापरवाही का मामला बनता है। जिसके लिए उन सभी आईओ और पुलिस पदाधिकारियों का वेतन बंद करने का निर्देश दिया गया है। एसपी शुभम आर्य ने कहा कि इनके अलावे अगर कोई भी विभागीय कार्य में लापवाही का आरोप बनता है तो उनके खिलाफ भी यहीं कार्रवाई की जायेगी। क्योंकि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खबरें फटाफट

साइबर उचक्कों ने युवक के खाते से उड़ाये 28544 रु थाना में मामला दर्ज

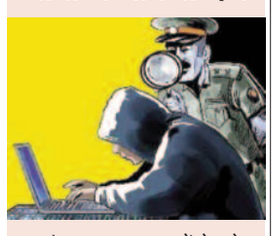

डुमरांव। साइबर उचक्कों ने नये-नये कारनामे कर खाताधारकों के खाते से रुपये गायब करने की कारनामे रोज होते है तो वहीं ऐसे जालसाजों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने और पकड़ने में पुलिस हलकान बनी है। ऐसा ही एक मामला डुमरांव प्रखंड परिसर में प्रतिनियुक्त सैप चालक कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र के छतनवार गांव निवासी बरमेश्वर सिंह के साथ घटी। साइबर उचक्कों ने पीड़ित को फोन कर बिजली कनेक्शन अपडेट करने को लेकर सारी जानकारी हासिल कर ली और युवक के खाते से 28 हजार 544 रुपये गायब कर दी। जब राशि निकासी का मैसेज युवक के मोबाइल पर आया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गया और इसकी जानकारी तत्काल शाखा प्रबंधक को दी। पीड़ित ने इस मामले में डुमरांव थाने में आवेदन देकर साइबर उचक्कों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पुलिस पीड़ित के आवेदन पर मामले को दर्ज कर अनुसंधान में जुटी है।

हिमाचल से हाजीपुर जा रही थी शराब की खेप, चालक व खलासी से पूछताछ के आधार पर जांच जारी

नया भोजपुर में शराब लदी मिनी ट्रक जब्त 2232 लीटर शराब बरामद, दो गिरफ्तार

- मिनी ट्रक में तहखाना बना हो रही थी शराब की तस्करी
- लाखों रुपये मूल्य की शराब की पेटियों के उपर से लादा गया था प्लास्टिक पाइप

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के नया भोजपुर ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर शराब लदी एक मिनी ट्रक को जब्त किया है। जिसमें तहखाना बना भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की खेप छिपाई गई थी। इसके लिए तस्करों ने ऊपर से प्लास्टिक की पाइप लाद पुलिस को झांसा देने का प्रयास किया गया था, लेकिन पुलिस ने ट्रक को जब्त करने के साथ ही चालक व खलासी को गिरफ्तार कर तस्करों के मंसूबे पर पानी फेर दिया है।

उक्त कंटेनर से पुलिस ने अंग्रेजी शबरा की 2232 लीटर शराब बरामद की है। जिसमें 750 एमलए व 375 एमएल की 100-100 पेटियों के अलावे 180 एमएल की 50 पेटी शराब मिली है। जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। शराब लदी ट्रक को नया भोजपुर ओपी के प्रभारी ओपी प्रभारी सुमन कुमार के नेतृत्व में पकड़ा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डुमरांव डाडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब लदी एक कंटेनर एनएच 922 के रास्ते आ रही है। इस सूचना पर उन्होंने तत्काल नया भोजपुर ओपी पुलिस को वाहन जांच करने का निर्देश दिया। डीएसपी के निर्देश पर नया भोजपुर ओपी पुलिस ने नवाडेरा के पास एनएच 922 पर वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक मिनी ट्रक आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने जब चालक को रोक पूछताछ की तो उसने बताया कि ट्रक पर प्लास्टिक पाइप लदा है, लेकिन पुलिस को पक्की खबर मिली थी कि उक्त कंटेनर से ही शराब की खेप आ रही है। इसके बाद पुलिस ने जब स्कैनर से जांच की तो अंदर शराब की पेटियां दिखाई दी। जिसके बाद पुलिस ने ट्रक चालक व खलासी को हिरासत में ले थाना लाई तथा पूछताछ की तो दोनों ने स्वीकार किया कि इसमें शराब लदी है। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान मध्य प्रदेश के शिवहर निवासी अनिल सिसोदिया व जितेन्द्र सिसोदिया के रूप में की गई है।

फर्जी नंबर प्लेट लगा हो रही तस्करी

गिरफ्तार तस्करों ने पुलिस को बताया कि शराब की यह खेप हिमाचल प्रदेश से हाजीपुर जा रही थी। वही, पुलिस के प्रारंभिक पड़ताल में यह बात सामने आई है कि मिनी ट्रक पर जो नंबर प्लेट लगाया गया था वह फर्जी है। ट्रक चालक द्वारा दिखाए गए कागजातों पर जो रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित था वह ट्रक के नंबर प्लेट से मैच नहीं कर रहा था। हालांकि, अभी पुलिस इस मामले में विशेष जानकारी नहीं दे सकी हैं। पुलिस, गिरफ्तार चालक व खलासी से पूछताछ के आधार पर असली तस्कर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। वही, मिनी ट्रक से बरामद शराब को गिनने के बाद उसे थाना परिसर में रखा गया है।

बक्सर में कबाड़ के आड़ पर पिकअप में छिपाई गई लाखों की शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

बक्सर। वीर कुंवर सिंह सेतु पर उत्पाद विभाग की टीम ने शराब लदी एक पिकअप को जब्त किया है। पुलिस ने उसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पिकअप पर कबाड़ के सामान लदे थे तथा उसी के आड़ में शराब की पेटिया छिपाई गई थी। जिसे हरियाणा के गुड़गांव से आरा ले जाया जा रहा था, लेकिन वीर कुंवर सिंह सेतु पर मुश्तैद उत्पाद विभाग की टीम ने स्कैनर के सहारे शराब की उक्त खेप को पकड़ लिया। पुलिस ने पिकअप चालक सह तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान हरियाणा के चरखी दादरी जिला के स्थानीय थाना क्षेत्र के सहवास गांव निवासी मंजीत सिंह पिता जयवीर सिंह के रूप में की गई है। पिकअप से कबाड़ के साथ लदे 147 पेटी विदेशी शराब, जिसकी कुल मात्रा 1323 लीटर जब्त की गई है। बरामद शराब की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस के समक्ष चालक ने बताया कि इसे गुड़गांव से आरा ले जा रहा था। पुलिस गिरफ्तार चालक से पूछताछ के आधार पर शराब तस्करों तक पहुंचने में जुटी है।

चालक और खलासी से की जा रही है पूछताछ

“ गुप्त सूचना पर नया भोजपुर ओपी इलाके में शराब लदी एक मिनी ट्रक पकड़ी गई है। ट्रक के साथ गिरफ्तार किए गए चालक व खलासी से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के आधार पर तस्करों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

- अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

कोरानसराय में शौच करने गए किशोर की आहर में डूबने से मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

दस वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गयी है। घटना बुधवार की शाम कोरानसराय थाना क्षेत्र के खैरही गांव में हुई। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहरामा मच गया। घटना के संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि किशोर की डूबने की सूचना शाम को परिजनों के द्वारा दी गयी।

उन्होंने बताया कि मृतक ऋतिक राज पटेल 10 वर्ष पिता अरविन्द चौधरी सुबह दस बजे से ही गायब था। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन पूरे दिन उसका कुछ पता नहीं चला। शाम में गांव के बाहर आहर में एक शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि शव ऋतिक राज पटेल की है। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया।

परिजनों के अनुसार ऋतिक शायद शौच करने घर से निकला था। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया। परिजनों के द्वारा घटना की सूचना कोरानसराय पुलिस को दी गयी। जिसके मौके पर पहुंच पुलिस ने कागजी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, घटना के बाद से परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल हो गया है। परिजनों ने इस मामले में किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि शौच के दौरान ही वह आहर में गिर गया होगा तथा पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई होगी। घटना के बाद से गांव में मायूसी छाई है।

पंखे से लटक विवाहिता ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस और एफएसएल की टीम

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हादीपुर गांव में एक विवाहिता ने पंखे में फंदा डाल फांसी लगा ली है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस व विवाहिता के मायके वालों को दी। जहां मामले की जांच में पुलिस और एफएसएल की टीम के साथ हादीपुर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है।

मृतिका की पहचान हादीपुर गांव निवासी 22 वर्षीय फुलमती देवी पति सोनू चौधरी के रूप में हुई है। घटना देर रात्रि की है। हालांकि, परिजनों को घटना की जानकारी सुबह चार बजे के आसपास लगी। जब मृतिका की डेढ़ वर्ष की बच्ची ज्यादा रो-रही थी, जिसकी आवाज सुन घर की महिला उसके रूम में जगाने पहुंची जहा से कोई आवाज नहीं मिलने पर अनहोनी की आशंका पर पुरुष वर्ग को बुलाया और कमरे की कुंडी तोड़ी गई। जहां महिला के पंखे से लटके देखे तो सब हतप्रभ रह गए।

परिजनों ने बताया है कि हादीपुर निवासी दीन दयाल चौधरी एक मध्यम वर्गीय परिवार है। जिनके दो पुत्र राजकुमार चौधरी व सोनू चौधरी है। जो दोनों मुंबई में किसी निजी फैक्ट्री में काम करते है। अभी तीन माह पहले सोनू मुंबई गया था। वह अभी भी मुंबई में है, घटना की सूचना पर वह घर आ रहा है। सोनू की शादी तीन वर्ष पूर्व यूपी के गाजीपुर जिले के रेवतीपुर स्थित नगदिलपुर में फूलमती देवी से हुआ था। सब कुछ ठीक था। अभी हाल ही में बड़े भाई राजकुमार की पत्नी का ऑपरेशन से लड़का हुआ था। जिसमें फूलमती के मायके के लोग भी आये थे। हालांकि, ऐसा कोई मामला नहीं था कि इस तरह की घटना हो सकती थी।

डीएम ने आईसीडीएस विभाग की जांच में डीपीओ, सीडीपीओ व पर्यवेक्षिकाओं को दिया निर्देश, कहा-

आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्याप्त अनियमितता की जांच कर करें कार्रवाई

- मार्गदर्शिका के विरूद्ध पर्यवेक्षिकाओं को सेक्टर आवंटित करने पर बक्सर एवं ब्रह्मपुर सीडीपीओ को शो-कॉज जारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में आईसीडीएस की समीक्षात्मक बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की निर्धारित संख्या में निरीक्षण नहीं हो रहा है। वहीं पाया गया कि मार्गदर्शिका के विरूद्ध बक्सर एवं ब्रह्मपुर में महिला पर्यवेक्षिका के बीच सेक्टर आवंटित किया गया है। इस क्रम में संबंधित सीडीपीओ से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि दिसंबर माह में मात्र एक सेविका को कार्य मुक्त किया गया है। निरीक्षण विवरणी के अवलोकन के क्रम में पाया गया कि गंभीरता से निरीक्षण नहीं किया जा रहा है। जिला स्तर के जांच में विभिन्न प्रकार के अनियमितता आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पायी जाती है। जिसमें आईसीडीएस डीपीओ, सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका को गंभीरता से निरीक्षण करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जेंडर आधारित हिंसा पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

बक्सर। आईसीडीएस डीपीओ की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं के सुरक्षा के साथ घरेलू हिंसा तथा लैंगिक भेदभाव, लिंग आधारित हिंसा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत पीसीपीएनडीटी एक्ट एवं नई चेतना पहल बदलाव कार्यक्रम अंतर्गत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरुकता के लिए संवाद कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किया गया। जिसमें जिला मिशन समन्वयक द्वारा महिलाओं के सुरक्षा संरक्षा के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

पोषण ट्रैकर में कम उपलब्धि पर ब्रहमपुर सीडीपीओ से जवाब तलब : पोषण ट्रैकर की समीक्षा के क्रम में औसत से कम उपलब्धि वाले बाल विकास परियोजना पदाधिकारी से कारण पृच्छा करने हेतु जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस बक्सर को निर्देश दिया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, टीएचआर वितरण, पेयजल आपूर्ति एवं अन्य मदों में ब्रह्मपुर परियोजना का स्थिति अत्यंत ही असंतोषजनक रहने के लिए सीडीपीओ ब्रह्मपुर से कारण पृच्छा करते हुए उनका वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया गया। विभागीय निर्देश के आलोक में आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु क्रय किये गये गैस चूल्हों की गुणवता की जांच कराने हेतु नोडल पदाधिकारी निरीक्षण एवं अनुपालन कोषांग बक्सर को निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि पेयजल सुविधा विहीन आँगनबाड़ी केन्द्रों पर उक्त सुविधा उपलब्ध कराने हेतु राशि आवंटित की गई है। परंतु किसी भी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। जिस पर जिला पदाधिकारी द्वारा खेद व्यक्त किया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस बक्सर को निर्देश दिया गया कि कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु अग्रेतर कार्रवाई करेंगे।

खबरें फटाफट

चालक की गलती से घंटों जाम से जूझते रहे लोग

डुमरांव। नगर के बाइपास रोड के तौर पर काम करने वाली सड़क महरौरा रोड में चालकों की गलती से घंटा भर जाम लगा रहा। इस रोड में जाम लगे रहने के कारण अनुमंडल मुख्यालय का मुख्य स्टेशन रोड भी जाम की चपेट में आ गया था। क्योंकि जाम और नो इंट्री से बचने के लिये छोटे वाहन और लोग महरौरा रोड होकर निकल जाते हैं। इस रोड में एक पिकअप वैन से माल उतारा जा रहा था, उसी समय दूसर पिकअप निकलने की कोशिश में आकर फंस गया। दोनों के फंस जाने के कारण पैदल जाने का रास्ता नहीं था। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि नो इंट्री के बाद भी वाहनों का रास्ता बदल निकलने से लोगों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मालूम हो की डुमरांव शहर के बीचोबीच से होकर एनएच-120 गुजरता है, जिससे पूरे दिन जाम की समस्या बनी रहती है।

यादव मोड़ से बाइक चोरी

बक्सर। मुफस्सिल थाना के यादव मोड़ स्थित पशु मेला में मवेशी खरीदने आये एक व्यवसायी की बाईक अज्ञात चोरों द्वारा उड़ा लिया गया। बाइक के मालिक ने चोरी की इस घटना की स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कुलहड़िया गांव निवासी शिवजी सिंह बुधवार की दोपहर पशु मेला में मवेशी खरीदने आया और मेला में ही बीआर03-यू 3193 नम्बर की पैसन प्रो अपनी बाईक खड़ी कर दी। जब चार घंटे बाद वह वापस आया तो देखा की वहां पर उसकी बाइक नहीं है। काफी खोजबीन के बाद इसका पता नहीं चला। जिसके बाद थक-हार अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना में केस दर्ज कराया।

डुमरांव चैलेंजर ट्रॉफी: पटना के अभिनव ने की चौकों-छक्कों की बरसात

मऊ की टीम को आठ विकेट से हरा सेमीफाइनल में पहुंची पटना

राज हाई स्कूल में मैच के पूर्व राष्ट्रगान के दौरान खड़े खिलाड़ी व स्कूली बच्चे।

- पटना ने 9.5 ओवर में ही दो विकेट खोकर हासिल किया लक्ष्य

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के राज हाई स्कूल के खेल मैदान में संत जॉन सेकेन्ड्री रूकूल के तत्वावधान में चल रहे डुमरांव चैलेंजर ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा क्वाटर फाईनल मुकाबला बिहार की पटना व यूपी के मऊ की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें पटना की टीम ने एकतरफा अंदाज में मऊ को आठ विकेट से पराजित कर दिया। पटना ने मऊ द्वारा दिए गए 130 रन के लक्ष्य को मात्र 9.5 ओवर में ही चेज कर लिया। पटना के अभिनव उर्फ गोलू ने चार चौकों व आठ गगनचुंबी छक्कों के सहारे महज 30 गेंद में 76 रन की विध्वंसक पारी खेल मऊ के स्कोर को बौना साबित कर दिया।

मैच में मऊ की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लोकिन उसका यह फैसला सही साबित नहीं हुआ। मऊ की टीम निर्धारित 16 ओवरों के दौरान ही मात्र 130 रन बना आल आउट हो गई। मऊ की तरफ से सुमित ने अधिकतम 32 रन की पारी खेली। इसके अलावे मऊ को कोई भी बल्लेबाज पटना की धारदार गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाया। पटना की टीम ने शुरूआती पांच ओवरों में ही मऊ के दोनों ओपनरों समेत तीन विकेट चटका दबाव में ला दिया। इस दबाव से मऊ की टीम अंत तक उबर नहीं पाई तथा निर्धारित ओवर खत्म होने के पहले ही आल आउट हो गई। पटना की तरफ से रोहित शर्मा ने धारदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट चटकाए।

नप के ईओ, चेयरमैन व राज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक ने किया उद्घाटन : इस क्वाटर फाइनल मैच का उद्घाटन डुमरांव नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार, चेयरमैन सुनीता गुप्ता, उनके प्रतिनिधि सुमित गुप्ता और राज उच्च विद्यालय डुमरांव के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने संयुक्त रूप से फीता काट व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद किया। इस दौरान नगर परिषद के ईओ मनीष कुमार ने बल्लेबाजी व चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित ने गेंदबाजी कर मैच की औपचारिक शुरूआत कराई। नगर परिषद के ईओ व चेयरमैन ने अपने संबोधन में इस आयोजन के लिए आयोजक संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के सह निदेशक शुभम सिंह को साधुवाद दिए तथा कहा कि नगर परिषद का प्रयास पूरे शहर को चकाचक बनाने का है। ईओ व चेयरमैन ने कहा कि खेलकूद आपसी भाईचारा को मजबूत करती है। मैच में कॉमेंटेटर के रूप में मनोज कुमार और अजितेश कुमार उपस्थित रहे। स्कोरर के रूप में चेतन रहे और अंपायर की भूमिका में रौनक और अभिषेक मौजूद रहे।

अभिनव ने मात्र 30 गेंदों में बनाए 76 रन

131 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पटना की टीम ने मात्र 9.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य को हासिल किया। पटना की तरफ से अभिनव उर्फ गोलू ने मात्र 30 गेंद 76 रन की तेज तर्रार पारी खेली। जिसमें 4 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल हैं। अभिनव के पारी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी पारी में 64 रन बाउंड्री से लगाए जबकि मात्र 12 रन ही सिंगल व डबल के रूप में लिए। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से मैदान में उपस्थित हजारों दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मऊ की तरफ से बेचन यादव और मिथिलेश ने 1-1 विकेट हासिल किया। पटना की टीम ने इस मुकाबले को 8 विकेट से जीत सेमीफाइनल में पहुंच गई है। मैच समाप्ति पर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पटना के अभिनव को अंग्रेजी शिक्षक अजितेश कुमार, मिस्टर मनोज, प्रिंस और चंकित श्रीवास्तव के द्वारा दिया गया।

मैच की कुछ झलकियां...

मैच का उद्घाटन करते नप के ईओ, चेयरमैन व अन्य।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करतीं चेयरमैन व ईओ।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते ईओ व राज हाई स्कूल के प्राचार्य।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते सह निदेशक व अन्य।

एक नजर

डुमरांव में जलजमाव के कारण बीच सड़क पर बना गड्ढा, दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं वाहन

डुमरांव। शहर के मुख्य पथ स्टेशन रोड में राज हाई स्कूल के खेल मैदान के पास जलजमाव के कारण गड्ढा बन गया है। यह गड्ढा अब खतरनाक साबित होने लगा है। इसमें हर दिन वाहन चालक फिसलकर गिर रहे है। गुरूवार को इस जगह पर दो ई रिक्शा पलट गए। इस दौरान करीब आधा दर्जन यात्री जख्मी हुए है। एक महिला यात्री के पैर में गंभीर चोट भी आई है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि हर दिन ई-रिक्शा, बाइक व टेम्पो पलट रहे है। लोगों का कहना है कि जलापूर्ति पाइप के फटने तथा नालियों के पानी के ओवर फ्लो हो मुख्य पथ पर गिरने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। बता दें कि पिछले दिनों एनएचएआई ने इस पथ के मरम्मत व नाला निर्माण का आश्वासन दिया था। जर्जर सड़क का निरीक्षण करने आए एनएचएआई के एज्क्यूटिव ने एक सप्ताह के अंदर निर्माण कार्य शुरू कराने को कहा था, लेकिन महीनों बाद भी निर्माण कार्य तो दूर मरम्मत भी शुरू नहीं हो पाई है। इस संबंध में नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने बताया कि एनएचएआई के अधिकारियों से आपत्ति दर्ज कराई गई है। जल्दी ही इस जगह पर उभरे गड्ढें की मरम्मत करवाई जाएगी।

दो बाइक की भिड़ंत में सभी नीचे गिरे; ट्रक की चपेट में आने से एक की मौत, तीन जख्मी

आरा। जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के कुरमुरी गांव के पास गुरुवार की दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार एक छात्र की मौत हो गई। जबकि अन्य तीन छात्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय ग्रामीण और दोस्तों के मदद से सभी जख्मियों को इलाज के लिए पीरो अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। वहां से गंभीर हालत में सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर कुरमुरी गांव के पास सड़क जाम कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने में जुटी हुई है। मृतक तरारी थाना क्षेत्र के तरारी गांव वार्ड 3 निवासी अरुण कुमार सिंह के 20 वर्षीय बेटे संजीत कुमार और जख्मियों में तरारी गांव वार्ड-दो निवासी सुरेंद्र सिंह का 19 वर्षीय पुत्र प्रकाश के साथ दूसरे बाइक पर सवार इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव निवासी विनोद साव के 20 वर्षीय पुत्र संटू कुमार, राजू शर्मा के 21 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार शामिल हैं। मृतक युवक संजीत और जख्मी प्रकाश एक बाइक पर थे, दोनों स्नातक पार्ट- 3 के हिंदी के छात्र थे। जबकि दूसरे जख्मी संटू और आदित्य एक बाइक पर सवार थे। आदित्य स्नातक पार्ट- तीन के मनोविज्ञान का छात्र था। घटना की जानकारी देते हुए संटू ने बताया कि वो अपने दोस्त आदित्य को स्नातक पार्ट-तीन की परीक्षा दिलवाने अपने गांव से पीरो बाजार स्थित बचरी कॉलेज जा रहा था। प्रकाश ने बताया कि अपने दोस्त संजीत के साथ परीक्षा देने के लिए अपने गांव से सिकरहटा थाना क्षेत्र के पनवारी कॉलेज जा रहा था। इसी बीच बाइक असंतुलित हुई और कुरमुरी गांव के पास सीधी भिड़ंत हो गई।

सरकारी योजनाओं में आ रही समस्याओं को समय से निपटाने के लिए बैठक आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरुवार को स्थानीय प्रखंड परिसर में प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता समिति के सचिव सह बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने किया। बैठक में बतौर पर्यवेक्षक डुमरांव भूमि सुधार उप समाहर्त्ता मो. शहजाद अहमद भी मौजूद थे।

बैठक में धान खरीद, बिजली, कृषि, शिक्षा और जीविका सहित कई अन्य विभागों की समीक्षा की गयी। बैठक में नल-जल के सभी अक्रियाशील योजनाओं को संचालित करने का निर्देश कनीय अभियंता को दिया गया। साथ ही अनुरक्षकों के मानदेय की भुगतान को पंचायत कार्यालय के समन्वय से किये जाने का निर्देश दिया गया। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि किसी दुर्घटना में पशु धन की क्षति होने पर मुआवजा का भुगतान ऐसे ही पशुओं का किया जा सकता हैं, जिसका ईयर टैगिंग होना चाहिए। बीडीओ ने कहा कि प्रखंड एवं अंचल स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा योजनाओं में आ रही समस्याओं के समुचित एवं ससमय निपटाने हेतु बैठक आयोजित की गयी हैं। जिसमें सभी विभाग से संबंधित विकास कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी लेते हुए कार्यों की समीक्षा की गयी। बीडीओ ने पशुओं के ईयर टैगिंग को लेकर प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। इसके अलावे प्रखंड के विकास में सभी अपने विभाग द्वारा प्रदत्त योजनाओं को पारदर्शिता के साथ लोगों के बीच पहुंचाने की बात कही। मौके पर प्रखंडस्तरीय सभी अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे।

छत की कुंडी से लटका महिला का शव बरामद

आरा। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव में बुधवार की सुबह छत के कुंडी से लटकी महिला का शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से गांव में आसपास की इलाके में अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव निवासी सुनील यादव उर्फ डुगी की 24 वर्षीया पत्नी प्रतिमा देवी है।

घटना की सूचना पाकर जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह एवं जगदीशपुर थानाध्यक्ष बिगाऊ राम घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद पुलिस द्वारा एफएसएल की टीम को बुलाया गया। जिसके बाद एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य को संकलन किया। मृतका के पिता उमा शंकर यादव ने उसके पति सुनील यादव पर फांसी लगाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है।

बिहार जदयू युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल ने सौंपी जिम्मेवारी

संदीप ठाकुर व सोहराब कुरैशी बने युवा जदयू के प्रदेश महासचिव, मिली बधाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के कद्दावर छात्र नेता रहे संदीप ठाकुर को एक बार फिर से युवा जदयू का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। वहीं, डुमरांव के युवा नेता सोहराब कुरैशी को भी युवा जदयू में प्रदेश महासचिव की जिम्मेवारी मिली है। दोनों युवा नेताओं को यह जिम्मेवारी बिहार जदयू युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल ने सौंपी है।

इस मनोनयन पर जदयू कार्यकताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है तथा इस पुनीत कार्य के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, कार्यकारी अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद संजय झा, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं बिहार विधान परिषद सदस्य अफाक अहमद खान को बधाई दी है।

बधाई देने वालों ने कहा कि इस निर्णय से बिहार प्रदेश संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ 2025 में फिर से नीतीश यानी मिशन 2025 और लक्ष्य 225 को साकार करने में मजबूती मिलेगी। बता दें कि युवा नेता संदीप ठाकुर को दोबारा प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पूर्व में क्रांतिकारी छात्र नेता, दो बार पूर्व प्रदेश सचिव, प्रदेश महासचिव के साथ पूर्व आरा प्रभारी तथा तत्कालीन भोजपुर प्रभारी रह चुके हैं और फिर दोबारा उन्हें प्रदेश महासचिव का महत्वपूर्ण सांगठनिक दायित्व दिया गया है। प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर संदीप ठाकुर ने पार्टी के वरिष्ठ नेता वशिष्ट नारायण सिंह, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, अंजुम आरा, संतोष निराला, अशोक सिंह, धीरज कुशवाहा, प्रेम मिश्रा के प्रति आभार जताया। वही, सोहराब को प्रदेश महासचिव बनने के बाद रिजवान अंसारी, छोटू उर्फ अशफाक अंसारी, रहमान राइन, शेकू खान, फिरोज खान, मुस्ताक अंसारी, परवेज अंसारी, सिराज अंसारी, रेहान अंसारी, इरशाद कुरैशी, अशफाक कुरैशी, डॉ. अब्दुल रशीद हाशम नसीम अख्तर, मल्लू भाई, नेपाली, राजा खान, मंटू अंसारी, सिद्धेश्वर चौधरी, विवेक प्रजापति, अशोक प्रजापति, शशी, दीपक सिंह, जुगनू हाशमी, सदाब खान, सहबाज हासमी, बहादुर आदि ने बधाई दिया है।

झारखंड में सूचना आयुक्त की नियुक्ति में फंसा है पेच

रांची, एजेंसी। झारखंड में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के बाबत सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भाजपा पर राज्य विधानसभा में विधायक दल के नेता का जल्द चयन करने का नैतिक दबाव बढ़ गया है।

विधानसभा चुनाव-2024 का परिणाम 23 नवंबर को आया था। इसमें झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन (आइएनडीआइए) की जीत हुई और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी। 25 सीटों के साथ यहां विधानसभा में भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी है।

सरकार गठन के डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी विपक्षी दल भाजपा ने यहां अपने विधायक दल के नेता का चयन नहीं किया है। इससे विधानसभा का पहला सत्र बिना नेता प्रतिपक्ष के ही संचालित हुआ।

पिछली सरकार में भी भाजपा के तत्कालीन विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी को स्पीकर द्वारा तकनीकी कारणों से नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता नहीं देने के कारण लगभग तीन वर्षों तक बिना नेता प्रतिपक्ष के ही सदन चला था।

सुप्रीम कोर्ट में झारखंड ने कहा है कि राज्य में नेता प्रतिपक्ष नहीं होने की वजह से सूचना आयोग में नियुक्ति पर निर्णय लेने वाली चयन कमेटी की बैठक नहीं हो पाई है। झारखंड में वर्ष 2020 से ही राज्य में सूचना आयोग निष्क्रिय है। मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के सभी पद रिक्त हैं। सुनवाई पूरी तरह ठप है और आयोग में दर्ज सभी अपील व शिकायतें भी अरसे से लंबित हैं। इन पदों पर नियुक्ति को लेकर झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका

दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने निर्देश दिया। झारखंड विधानसभा की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भाजपा सूचना आयुक्तों की नियुक्ति पर निर्णय लेने वाली चयन कमेटी के लिए अपने किसी निर्वाचित सदस्य को दो सप्ताह के भीतर विपक्ष के नेता के तौर पर नामित करे। इसके तुरंत बाद कमेटी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड को आदेश के अनुपालन को लेकर शपथ पत्र दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि भाजपा दो सप्ताह के अंदर विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा कर देगी।

पार्टी अगर ऐसा नहीं भी करती है तो भी सूचना आयोग चयन समिति के लिए भाजपा किसी विधायक को नामित जरूर करेगी। इस बीच झारखंड विधानसभा का बजट सत्र भी 24 फरवरी से शुरू होने वाला है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष का चयन तय माना जा रहा है। वर्ष 2023 से 2024 तक नेता प्रतिपक्ष रहे भाजपा के अमर बाउरी 2024 में विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी फिर पार्टी के विधायक दल के नेता चुने जा सकते हैं।

पक्ष-विपक्ष की लड़ाई में पांच साल बर्बाद

विधानसभा चुनाव-2019 के बाद सूचना आयोग में नियुक्ति नहीं होने का बड़ा कारण सत्ताधारी झामुमो और प्रतिपक्ष भाजपा के बीच की लड़ाई है। 24 फरवरी 2020 को भाजपा ने विधानसभा में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनाया था। स्पीकर ने बाबूलाल को विधायक दल के नेता के तौर पर मान्यता नहीं दी। बाबूलाल मरांडी के विरुद्ध स्पीकर न्यायाधिकरण में चल रही दल-बदल मामले की सुनवाई लंबित होने को इसका आधार बनाया गया था। मरांडी ने 2019 के चुनाव के बाद अपनी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा का भाजपा में विलय कर दिया था, जिसकी प्रक्रिया को नियमविरुद्ध बताते हुए कांग्रेस के प्रदीप यादव व कुछ अन्य विधायकों ने उनपर दल-बदल का मामला चलाने की मांग की थी। सत्ता पक्ष के विधायक और विधानसभा अध्यक्ष भाजपा को मरांडी के अलावा किसी और का नाम नेता प्रतिपक्ष के तौर पर नामित करने को कह रहे थे, जबकि भाजपा के विधायक जिद पर अड़े थे। इस खींचतान में तीन साल गुजर गए। बाद में 4 जुलाई, 2023 को बाबूलाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने और 15 अक्टूबर 2023 को अमर बाउरी विधायक दल के नेता बने। इसके बाद भी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर गंभीर प्रयास नहीं हुए और कुल मिलाकर पांच साल बर्बाद हो गए।

संक्षिप्त समाचार

निगम ने रोका गैरआबाद जमीन पर समतलीकरण का काम

धनबाद, एजेंसी। धैया के एक प्लॉट पर जमीन समतल करने के लिए जेसीबी चलायी जा रही थी. कुछ साल पहले सामुदायिक भवन के लिए पांच डिसमिल जमीन इस प्लॉट से नगर निगम को स्थानांतरित की गयी थी. बुधवार को इसी प्लॉट पर जेसीबी चल रही थी. निगम को इसकी सूचना मिली. नगर आयुक्त के आदेश पर इंफोर्समेंट टीम पहुंची और काम बंद करवाया. संबंधित लाभुक को कागजात के साथ नगर निगम बुलाया गया है. नगर निगम अधिकारी के मुताबिक जिस जमीन पर जेसीबी चलायी जा रही थी, वह गैरआबाद है. इसी खाता से सामुदायिक भवन के लिए जमीन मिली थी. यह प्लॉट लगभग डेढ़ एकड़ का है. अंचलाधिकारी को जांच के लिए लिखा गया है. जांच के बाद नगर निगम के स्तर से आगे की कार्रवाई होगी. चर्चा यह भी है कि जिस प्लॉट पर जेसीबी चल रहा है, उसकी रसीद कट चुकी है. अगर जांच होती है, तो कई अधिकारी व कर्मचारी की गर्दन फंस सकती है.

अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे थर्ड जेंडर : डीसी

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा बुधवार को अखिल भारत किन्नर समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुईं. उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने थर्ड जेंडर के अधिकारों को लागू करने और उसकी निगरानी के लिए एक अलग सेल का गठन किया है. इसलिए थर्ड जेंडर को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए. सबके लिए समान व्यवहार, समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने तथा समाज के अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं को क्रमशः लागू करने के लिए सरकार के साथ धनबाद जिला प्रशासन भी प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि किन्नर समाज के लोग दुनिया भर में बेहतरीन काम कर रहे हैं. इससे अन्य लोग प्रेरित हो रहे हैं. उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि अधिवेशन में जो सीखा है, उसे अपने जीवन में अवश्य उतारें.

महाअधिवेशन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सहयोग करने के लिए किन्नर समाज ने उपायुक्त को दुआएं दी. साथ ही शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया. इस मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, किन्नर समाज की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी नायक, आलव्या नायक, बबीता नायक, ज्योति नायक, जोधाबाई नायक, अरुणा नायक, लालन नायक, मुन्नी नायक, श्वेता किन्नर, निर्मला किन्नर, रेखा किन्नर, राखी किन्नर आदि मौजूद थीं.

मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा तैयारी के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू

धनबाद, एजेंसी। मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा को तैयारी कराने को लेकर छात्र-छात्राओं के लिए विषयवार ऑनलाइन कक्षाएं संचालित बुधवार से शुरू हो गयी है. झारखंड शिक्षा परियोजना ने जरूरी निर्देश पर वार्षिक परीक्षा 2024-25 की तैयारी करायी जा रही है. जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी निशु कुमारी ने जारी निर्देश में कहा है कि फरवरी में वार्षिक परीक्षा होनी है. जिन विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की कमी है, वहां ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कर छात्र-छात्राओं की परीक्षा की तैयारी में अपेक्षित सहयोग दिया जाना है.

प्रखंड संसाधन केंद्र द्वारा संपादित किये जाने वाले कार्य में जनवरी माह की गुरु गोष्ठी माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए अलग से आयोजित करना है. गुरु गोष्ठी में प्रधानाध्यापकों से विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता, आइसीटी व स्मार्ट क्लास, इंटरनेट की उपलब्धता आदि का आकलन करते ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए समय सारिणी तैयार की गयी है.

आइआइटी आइएसएम में 17 विभागों में फैकल्टी के पदों पर होगी बहाली

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी-आइएसएम ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए अपने यहां संचालित सभी 17 विभागों में फैकल्टी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया है. यह भर्ती असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों के लिए की जा रही है. इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह एक शानदार अवसर है, जहां उन्हें शैक्षणिक और शोध क्षेत्र में योगदान देने का मौका मिलेगा. यह एक रोलिंग विज्ञापन है, यानी आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किये जाएंगे।

झारखंड के 5 प्रमंडल में सिंगल विलेज स्कीम की योजनाओं में हुई है गड़बड़ी, निविदा की शर्तों का हुआ है उल्लंघन

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के पेयजल और स्वच्छता विभाग में 50 करोड़ रुपये से अधिक की निविदाओं में गड़बड़ी उजागर हुई है. मामला वित्त वर्ष 2021-22 का है. गिरिडीह के एक नागरिक मुकेश कुमार सिंह की शिकायत पर पेयजल व स्वच्छता विभाग के तत्कालीन सचिव राजेश शर्मा ने मामले की जांच करवायी थी. दो मुख्य अभियंताओं की जांच में सामने आया है कि धनबाद अंचल के सभी छह प्रमंडलों में सिंगल विलेज स्कीम (एसवीएस) की 1000 से भी ज्यादा योजनाओं का कार्य आवंटित किया गया. पांच प्रमंडलों में गड़बड़ी पकड़ी गयी है, जिसमें निविदा की शर्तों का उल्लंघन कर अयोग्य संवेदकों को कार्य आवंटित कर दिये गये.

बताया जाता है कि अपने चहेते संवेदकों को कार्य देने के लिए ड्रिलिंग रिग मशीन के स्वामित्व का सर्टिफिकेट व अन्य दस्तावेज अपलोड करने की शर्त को शिथिल किया गया. बताते चलें कि पेयजल व स्वच्छता विभाग धनबाद अंचल के धनबाद प्रमंडल वन, धनबाद प्रमंडल टू, गिरिडीह प्रमंडल एक, गिरिडीह प्रमंडल दो, चास प्रमंडल और तेनुघाट प्रमंडल में सिंगल विलेज स्कीम के तहत योजनाओं की निविदा आमंत्रित की गयी थी. वित्त वर्ष 2021-22 के लिए झारखंड के सभी छह प्रमंडलों में एक हजार से भी ज्यादा योजनाओं के लिए कार्य आवंटित किये गये. इनमें से पांच प्रमंडलों में निविदा की शर्तों का उल्लंघन कर संवेदकों के बीच 50 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य आवंटित कर दिये गये. निविदा में ड्रिलिंग रिग मशीन के स्वामित्व का सर्टिफिकेट व अन्य दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य था. लेकिन इस नियम का अनुपालन नहीं किया गया.

मुकेश कुमार सिंह की शिकायत पर विभाग के तत्कालीन सचिव राजेश शर्मा ने मामले की जांच के आदेश दिये थे. मुख्य अभियंता और मुख्य अभियंता प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट रांची मुख्यालय ने आरोपों की जांच की थी. जांच में खुलासा हुआ कि एसवीएस की योजनाओं में नेशनल कॉम्पिटेटिव बिडिंग में अनिवार्य शर्तों की कंडिका 8 का अनुपालन नहीं किया गया और वैसे लोगों को भी कार्य आवंटित कर दिया गया, जिनके पास ड्रिलिंग रिग मशीन तक उपलब्ध नहीं थी.

जांच रिपोर्ट समर्पित किये जाने के बाद पेयजल व स्वच्छता विभाग ने धनबाद अंचल के अधीक्षण अभियंता मो रेयाज आलम से स्पष्टीकरण मांगा है. सरकार के विशेष सचिव राजीव रंजन कुमार ने अधीक्षण अभियंता को भेजे पत्र में कहा है कि मामले की उच्चस्तरीय समीक्षा में पाया गया है कि एनआइटी की कंडिका 8 में ड्रिलिंग रिग मशीन से संबंधित डॉक्यूमेंट की स्केन कॉपी संलग्न करने का प्रावधान था. लेकिन रिग मशीन के डॉक्यूमेंट को निविदा में शिथिल कर दिया गया और इस संबंध में कोई शुद्धि-पत्र भी नहीं दिया गया.

तकनीकी बिड की तुलनात्मक विवरणी से रिग मशीन की कंडिका हटाना नियम संगत नहीं है. बताया गया है कि निविदा की शर्तों के विपरीत निविदा का निस्तारण कर संवेदकों को लाभ पहुंचाया गया है, जो पीडब्ल्यूडी के कोड का उल्लंघन है. स्पष्ट किया गया है कि अयोग्य संवेदकों को निजी लाभ के लिए कार्य आवंटित किया गया है. इस मामले में सात दिनों के अंदर स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया है. वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सिंगल विलेज स्कीम की एक हजार से भी ज्यादा योजनाओं का टेंडर ग्रुप में निकाला गया था. सभी टेंडर धनबाद अंचल के अधीक्षण अभियंता मो रेयाज आलम द्वारा फाइनल किया गया और संवेदकों को कार्य आवंटित किया गया. इसमें सिर्फ गिरिडीह प्रमंडल टू की कुल 206 योजनाएं थीं, जिसे 38 ग्रुप में बांटा गया. लगभग 15.89 करोड़ की इन योजनाओं के कार्य में भी व्यापक स्तर पर गड़बड़ी की शिकायतें मिली हैं. निविदा निष्पादन में जहां अधीक्षण अभियंता द्वारा मनमानी किये जाने का आरोप है, वहीं कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं.

ऐसा हुआ तो हो सकता है पलामू टाइगर रिजर्व में सातवां बाघ, जांच शुरू, बॉर्डर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ी

पलामू, एजेंसी। पलामू टाइगर रिजर्व के बॉर्डर एरिया गढ़वा के जंगलों में मौजूद बाघ की तस्वीर और पगमार्क को खंगालने पर पहले से मौजूद बाघों से भिन्न नतीजा मिलता है तो वह सातवां बाघ हो सकता है. पीटीआर में एक बाघिन सहित अन्य पांच बाघों के होने की पुष्टि पहले ही हो चुकी है. गढ़वा के जंगलों में बाघ की मौजूदगी के प्रमाण मिलने के बाद पीटीआर के बॉर्डर एरिया में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है. वनकर्मियों को बाघ की सभी गतिविधियों पर गंभीरता से नजर रखने का निर्देश दिया गया है.

जगह-जगह पर कैमरा लगाया गया है और उसकी तस्वीर लेने का प्रयास किया जा रहा है. साथ ही उसके स्केट और पग मार्क को लेकर यह भी छानबीन की जा रही है कि गढ़वा के जंगलों में दिखने वाला बाघ पिछले महीने करीब 15 दिनों तक बेतला नेशनल पार्क में दिखने वाला बाघ है अथवा कोई और. विभागीय पदाधिकारी के अनुसार सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है. विभागीय पदाधिकारियों की मानें तो इधर एक बाघिन सहित अन्य चार बाघ के विभिन्न इलाकों में गतिविधियां बनी हुई है. बेतला नेशनल पार्क के अलावा कूटकू, नैना फॉल जागीर आदि इलाकों में पिछले महीने से बाघ की गतिविधियां बनी हुई थी जिसकी कई तस्वीरें को खंगालने का

प्रयास किया गया है. गढ़वा इलाके में बाघ के होने की पुष्टि होने के बाद पलामू टाइगर रिजर्व में भी खुशी की लहर है. विभागीय पदाधिकारी के द्वारा यह बताया जा रहा है कि पलामू टाइगर रिजर्व के लिए यह गौरव की बात है कि अब बाघ यहां लगातार अपनी गतिविधियां बनाये हुए हैं. जानकारी के अनुसार पीटीआर में बाघ अपनी मूवमेंट को लगातार बदलते रहता है. कभी भी किसी इलाके में स्थाई तौर पर लगातार नहीं रहता है. इसलिए टाइगर ट्रैकर बाघों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर बनाये रखते हैं. पिछले एक सप्ताह से बेतला इलाके में बाकी गतिविधियां नहीं मिल रही है. इसलिए उम्मीद यह भी लगाया जा रही है कि संभवतः बेतला का बाघ ही गढ़वा के जंगल की तरफ चला गया हो. 1129 वर्ग किलोमीटर में फैले पलामू टाइगर रिजर्व का बाहरी इलाका पूरी तरह से खुला है जो छत्तीसगढ़ से भी जुड़ा हुआ है. इसलिए कुटकू भंडारिया के तरफ से बाघों के आने का गलियारा है. जहां से उनका आना-जाना लगा रहता है. इसलिए संभावना जताई जा रही है कि छत्तीसगढ़ के तरफ से आने वाला यह कोई अन्य बाघ हो.

गिरिडीह में तालाब के पास मिला 5 साल के सुदीप का शव, चचेरे दादा-दादी फरार

गिरिडीह, एजेंसी। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक 5 साल के बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है. हत्या का आरोप बच्चे के चचेरे दादा-दादी पर लग रहा है. दोनों फरार हैं. पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है. देवरी थाना क्षेत्र चोलीडीह गांव में 5 साल के सुदीप कुमार यादव की हत्या हो गई. उसके पिता विक्की यादव ने बताया कि बालक का शव गांव के बुढ़वा आहर तालाब के पास मिला. घटना की सूचना मिलने पर देवरी के थाना प्रभारी सोनू कुमार साहू, एएसआई बुद्धदेव उरांव चोलीडीह गांव पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू की. पुलिस ने बताया कि मृतक बालक सुदीप के पिता विक्की यादव ने कहा है कि बुधवार को उसका अपने चाचा परशुराम यादव और चाची सावित्री देवी से विवाद हो गया था. शाम को करीब साढ़े छह बजे उसका पुत्र सुदीप अचानक से गायब हो गया. 5 साल का बच्चा आसपास नहीं दिखा, तो उसकी खोजबीन शुरू की गई. तालाब के पास सुदीप का शव मिला. हालांकि, सुदीप की मौत की वजह का पता नहीं चल पाया है, लेकिन विक्की यादव ने अपने चाचा-चाची पर आरोप लगाया है कि उन्हीं दोनों ने उसके बेटे की हत्या की है. परशुराम और उसकी पत्नी फरार हैं. उनके घर में ताला बंद है.

बिहार, बंगाल व ओडिशा में वाहनों से चुराते थे डीजल; गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। पुराने मामले की छानबीन के दौरान अंतरराज्यीय तेल चोर गिरोह के सात सदस्य रांची पुलिस के हत्थे चढ़ गए। यह गिरोह झारखंड के अलावा बिहार, बंगाल और ओडिशा में वाहनों से डीजल चोरी करने में सक्रिय था।

पूर्व में कांके थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई डीजल चोरी की घटना को लेकर कांके थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कांके थाने के प्रभारी ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की तफ्तीश शुरू की।

तेल चोर की तलाश की जा रही थी। इसी तफ्तीश के क्रम में थाना प्रभारी को यह जानकारी मिली कि तेल चोर गिरोह के सदस्य जेल में बंद हैं। गिरोह का सिर्फ एक सदस्य ऐसा है, जो बाहर है। थाना प्रभारी ने और गहराई से खोजबीन की और गिरोह के सदस्यों तक पहुंच गए।

एसएसपी चंदन सिंहा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम कांके थाना क्षेत्र से फरमान, मनोज, मो आमिर, वसीम, अभिषेक, आमिर और शहजाद नाम के सात अपराधियों को पकड़ा है।

ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। इस गिरोह द्वारा कांके थाना क्षेत्र के बीते तीन जनवरी की रात दो ट्रकों से डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था।

एसएसपी ने बुधवार को प्रेस वार्ता में इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंतरराज्यीय गिरोह द्वारा डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था।

बच्चों के लिए ऑटो-वैन की सवारी पड़ सकती है भारी, फॉलो नहीं हो रहे सुरक्षा के नियम

रांची, एजेंसी। रामगढ़ जिले में हुई सड़क दुर्घटना के बाद एक बार फिर स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। जिला परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बस और ऑटो के लिए सुरक्षा मानक तय कर गाइडलाइन तो जारी कर दी गई, लेकिन इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

स्कूल जाने का समय होते ही शहर की सड़कों और गली मोहल्ले में ऑटो की फटफटिया आवाज गूंजने लगती है। इन ऑटो और वैन पर बच्चों को किसी तरह लादकर स्कूल तक पहुंचाया जाता है। जिला परिवहन विभाग की ओर से गाइडलाइन इसलिए जारी की गई थी। जिससे की बस और ऑटो से स्कूल आने-जाने वाले बच्चे सुरक्षित रहें, लेकिन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। खासकर ऑटो और वैन में एक भी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता है। स्थिति यह है कि आटो और वैन चालक आनन-फानन में बिना सुरक्षा का इंतजाम किए बच्चों को स्कूल लाते और ले जाते हैं।

स्कूल में सुरक्षा की बात करें तो बच्चे जब स्कूल परिसर में होते हैं तो निश्चित रूप से अभिभावक अपने बच्चे की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत रहते हैं, लेकिन जब स्कूल से बाहर निकलकर ऑटो या बस में बैठते हैं तो घर तक पहुंचने के दौरान अभिभावक अपने बच्चे को लेकर

चिंतित रहते हैं। स्कूल बसों और आटो में सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। किसी बस में खिड़की में लोहे का कवर नहीं लगा है तो कहीं ऑटो और वैन संचालक क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल ले जा रहे हैं। हालांकि स्कूल बसों की स्थिति फिर भी ठीक दिखी, लेकिन कई ऐसी भी बसें हैं जिसमें सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। यदि ऐसा होता तो बेशक गत वर्षों लालपुर और पुंदाग में स्कूल बस में आग नहीं लगती। स्कूल ऑटो की स्थिति तो और खराब है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ विभागीय खानापूर्ति ही की जा रही है। बच्चों को स्कूल ले जाने वाली गाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को ले गत दिनों चेकिंग अभियान तो चलाया गया, लेकिन संबंधित स्कूल प्रबंधनों को जांच या कार्रवाई के दायरे में नहीं लाया गया। दरअसल, स्कूल प्रबंधनों के द्वारा नामांकन के दौरान ही अभिभावकों से लिखवा लिया जाता है कि बच्चे बस से जाएंगे या फिर स्वयं तय की गाड़ी से। ऐसे बच्चों की सुरक्षा की गारंटी स्कूल परिसर तक ही सीमित हो जाती है। वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को नहीं बैठाना है, लेकिन ऑटो और वैन संचालक क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाते हैं। इन्हें चिन्हित भी किया गया है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। अभिभावकों का कहना है कि ऑटो रिक्शा चालक या फिर वैन संचालक कम पैसे लेकर घर से बच्चों को ले जाते हैं और समय पर घर पहुंचा भी देते हैं। जबकि स्कूलों में बस किराया के नाम पर अधिक राशि ली जाती है। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने रामगढ़ के गोला क्षेत्र में भीषण सड़क दुर्घटना में मारे गए बच्चों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। इस दुर्घटना में तीन बच्चों की मौत काफी दुखद है। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा यह दुर्घटना काफी भयावह है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 7 से 13 जनवरी तक ठंड के कारण राज्य सरकार ने सभी कोटि के सरकारी गैर सरकारी स्कूलों को कक्षाएं बंद करने का आदेश दिया था, लेकिन रामगढ़ के गुडविल मिशन स्कूल ने सरकार के आदेश की अवहेलना की।

कांग्रेस के जनता दरबार में 40 लोगों ने रखी समस्याएं, मंत्री इरफान ने निराकरण के दिए निर्देश

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी और विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी की उपस्थिति में मंगलवार को जन समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस भवन में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान 40 लोगों ने समस्याएं रखी। मंत्री इरफान ने तत्काल अधिकारियों से बात कर समाधान का रास्ता निकालने का निर्देश दिया। जनता दरबार में आये कुल 40 मामलों में स्वास्थ्य संबंधी आठ, जमीन संबंधित तीन, थाना विवाद के दो, स्थानांतरण के दो, नौकरी के सात मामलों के अलावा मंईयां सम्मान, अबुआ आवास विभागीय कार्रवाई सहित अन्य मामले आए। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने दी।

जनता दरबार के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस लोगों के जीवन शैली को सरल बनाने का प्रयास करती है। इसी प्रयास के तहत जनता दरबार की पहल की गई है। हमें जनता का प्रति जवाबदेह और संवेदनशील होना होगा। तभी लोगों के जीवन में बदलाव आएगा। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मजबूती के लिए आवश्यक है कि प्रगति में सबका साथ हो। झारखंड के अधिकारियों को भी जनता के नजरियों को समझ कर उनके उत्थान के लिए कार्य करना होगा। महागठबंधन सरकार पार्ट दो में हम तीव्र गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों में शुमार होंगे। केंद्र सरकार झारखंड को सहयोग करेगा तो देश की तरक्की में झारखंड और मजबूती से अपना योगदान देगा। डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जनता के पास जाकर उनकी समस्याओं को जानकर उसका निराकरण करना है।

सुभाषितम्

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती। - विनोबा भावे

भारत की राजनीति मे पूंजीपतियों का बोलबाला

अमेरिका की तरह अब भारत की राजनीति को पूंजीपति नियंत्रित कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के पहले इंडिया गठबंधन बना।जिसमें देश की सभी विपक्षी पार्टियों शामिल हुई। विशेष रूप से विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन में शामिल हुए। जब इंडिया गठबंधन बना था,तब यह कयास लगाए जा रहे थे,जल्द ही इंडिया गठबंधन अंतर विरोध के कारण टूट जाएगा। भारतीय जनता पार्टी को चिंता हुई। इंडिया गठबंधन से जल्द ही नीतीश कुमार बाहर हो गए। उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली।लोकसभा चुनाव के परिणाम ने भाजपा को चौंका दिया। कहां भारतीय जनता पार्टी 400 सीटें पार करने की बात कह रही थी। जब चुनाव परिणाम सामने आए,तब भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों पर सिमट कर रह गई। एनडीए के सहयोगी दलों के साथ केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी।

इसके बाद सरकार और अडानी समूह ने इंडिया गठबंधन को गंभीरता से लिया। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल जिस तरह से अडानी समूह के पीछे पड़े हुए थे। उसके बाद सरकार और अडानी समूह ने मिलकर अपनी रणनीति को बदल दिया। क्षेत्रीय दलों को अडानी द्वारा आर्थिक मदद दी गई। जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है।

अडानी समूह ने सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को अपने निशाने पर लिया। सबसे पहले ममता बेनर्जी को घेरा, उसके बाद बिहार में लालू यादव को अपने निशाने पर लिया। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव भी अडानी के निशाने पर आए। सभी की आर्थिक जरूरतें पूरी हुई। इन्होंने अडानी के मामले में चुप्पी साध ली। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने खुलकर कांग्रेस के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। ममता बेनर्जी खुद इंडिया गठबंधन का नेतृत्व मांगने लगी। इसका समर्थन लाल यादव ने कर दिया। अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ अपनी दूरियां बनाना शुरू कर दी। एक तरह से यह सारे क्षेत्रीय दल अडानी के कारण अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस से दूर और केंद्र सरकार के नजदीक आते चले गए। लोकसभा के शीतकालीन सत्र में राहुल गांधी अडानी के खिलाफ काम रोको प्रस्ताव पर बहस करने के लिए अड़े रहे। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दलों ने इस मामले में अपना पल्ला झाड़ लिया। उसके बाद से ही यह खबर आ रही थी। केंद्र सरकार और अडानी समूह के बीच जो रणनीति बनी थी, उसमें क्षेत्रीय दल फंस गए हैं। केंद्र सरकार के इशारे पर अडानी समूह द्वारा क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ संपर्क बनाकर उन्हें बड़ी आर्थिक सहायता दी गई। कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को खड़ा कर दिया। जिसके कारण किसी भी काम रोको प्रस्ताव पर संसद में चर्चा नहीं हुई। इसका फायदा सरकार को हुआ।संसद के शीतकालीन सत्र में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने अडानी समूह के मामले में कांग्रेस के साथ अपनी दूरियां बना ली। कांग्रेस संसद में अलग-थलग पड़ गई। इसका फायदा अडानी समूह को हुआ, और केंद्र सरकार को भी हुआ। हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी इस चुनाव में आमने सामने हैं। भारतीय जनता पार्टी को इस बार बड़ी आशा है, दिल्ली में उनकी जीत होगी। इंडिया गठबंधन के सहयोगी के रूप में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने लोकसभा का चुनाव लड़ा था। अब दोनों के आमने-सामने चुनाव लड़ने से इसका फायदादिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को होगा। रही सही कसर महाराष्ट्र से आ रही है। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना और शरद पवार की राकापा अडानी समूह और भाजपा के पक्ष में खड़ी नजर आ रही है। पिछले कुछ दिनों से शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने भाजपा सरकार के प्रति नरम रुख अख्तियार कर लिया है। महाराष्ट्र की भाजपा सरकार और अडानी समूह के बीच धारावी की जमीन को लेकर जो समझौता हुआ था।उस पर उद्धव ठाकरे ने लड़ने की बात कही थी लेकिन अब चुप्पी साध ली है। राहुल गांधी द्वारा अडानी का विरोध करने पर शरद पवार भी अब कांग्रेस का विरोध करते हुए, केंद्र सरकार के पाले में बैठ गए हैं। जल्द ही सुप्रिया सुले के केंद्र में मंत्री बनने की बात सामने आ रही है।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए।

दुनिया में बड़ी तेजी के साथ अपनाई जा रही है हिंदी!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली संसार की तीसरी भाषा है। भारत के साथ साथ मॉरीशस, युगांडा, गुयाना, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड,पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, सूरीनाम, त्रिनिदाद, साउथ अफ्रीका में हिंदी बोलने व हिंदी में लिखने वालों की संख्या बढ़ी है। अमेरिका, यूरोपीय , एशियाई व खाड़ी के देशों में भी हिन्दी का निरन्तर विकास हुआ है। रूस के कई विश्वविद्यालयो में हिन्दी साहित्य में शोध हुआ हैं। हिन्दी साहित्य में जितना अनुवाद रूस ने कराया, उतना किसी अन्य भाषा के साहित्य का नही कराया गया। यह हिंदी के प्रति बढ़ते रुझान का प्रमाण है। हम हिंदी को मात्र भारत की भाषा तक ही सीमित नही रख सकते। अ, आ,इ, ई,ओ,उ, आदि हिंदी के अक्षरों में जो स्वर ध्वनि उनके उच्चारण से प्रकट होती है वही ध्वनि नवजात शिशु के रुदन से भी प्रकट होती है। संसार के सभी नवजातो के रुदन की ध्वनि एक ही प्रकार की है।इसलिए हम कह सकते है कि हिंदी हर मनुष्य के जन्म की भाषा है। अपने देश की विभिन्न भाषाओं में से सबसे अधिक प्रभावी किसी एक भाषा को चुनकर उसे राष्ट्रीय अस्मिता का एक आवश्यक उपादान समझते हुए जब सम्मान व आत्मसात किया जाता है तो वही भाषा राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हो जाती है। चूंकि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी स्वाधीनता सेनानियों के सम्पर्क की भाषा रही, इसीलिए हिंदी राष्ट्रभाषा कहलाई। वास्तव में राष्ट्रभाषा शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है।हिंदी जिसे हम राष्ट्रभाषा मानते है, सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर देश को जोड़ने का काम करती है। इसकी प्राथमिकता देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना भी

है।राष्ट्रभाषा हमेशा स्वभाषा ही हो सकती है क्योंकि उसी के साथ जनता का भावनात्मक लगाव होता है। राष्ट्रभाषा का स्वरूप लचीला होता है और इसे जनता के अनुरूप किसी रूप में ढाला जा सकता है।

भारत मे हिंदी दीर्घकाल से जनझजन के पारस्परिक सम्पर्क की भाषा रही है। यह केवल उत्तरी भारत की नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के आचार्यों वल्लभाचार्य, रामानुज, रामानंद ,शंकराचार्य आदि ने भी इसी भाषा के माध्यम से अपने मतों का प्रचार किया था। अहिंदी भाषी राज्यों के भक्तझसंत कवियों जैसे—असम के शंकरदेव, महाराष्ट्र के ज्ञानेश्वर व नामदेव, गुजरात के नरसी मेहता, बंगाल के चैतन्य आदि ने इसी भाषा को अपने धर्म और साहित्य का माध्यम बनाया था। जनता और सरकार के बीच संवाद स्थापना के क्रम में जब फारसी या अंग्रेजी के माध्यम से परेशानी हुई तो अंग्रेजों ने फोर्ट विलियम कॉलेज में हिंदी विभाग खोलकर अधिकारियों को हिंदी सिखाने की व्यवस्था की। यहाँ से हिंदी पढ़े हुए अधिकारियों ने भिन्नझभिन्न क्षेत्रों में उसका प्रत्यक्ष लाभ देकर मुक्त कंठ से हिंदी को सराहा। सी. टी. मेटकाफ ने 1806 ई. में अपने गुरु जॉन गिलक्राइस्ट को लिखा— भारत के जिस भाग में भी मुझे काम करना पड़ा है, कलकत्ता से लेकर लाहौर तक, कुमाऊँ के पहाड़ों से लेकर नर्मदा नदी तक मैंने उस भाषा का आम व्यवहार देखा है, जिसकी शिक्षा आपने मुझे दी है। मैं कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक या जावा से सिंधु तक इस विश्वास से यात्रा करने की हिम्मत कर सकता हूँ कि मुझे हर जगह ऐसे लोग मिल जाएँगे जो हिन्दुस्तानी बोल लेते होंगे। टॉमस रोबक ने 1807 ई. में लिखा— जैसे इंग्लैण्ड जाने वाले को लैटिन सेक्सन या फ्रेंच के बदले अंग्रेजी सीखनी चाहिए, वैसे ही भारत आने वाले को अरबीझफारसी या संस्कृत के बदले हिन्दुस्तानी यानि हिंदी सीखनी चाहिए।

विलियम केरी ने 1816 ई. में लिखा— हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है। एच. टी. कोलब्रुक ने लिखा— जिस भाषा का व्यवहार भारत के प्रत्येक प्रान्त के लोग करते हैं, जो पढ़ेझलिखे तथा अनपढ़ दोनों की साधारण बोलचाल की भाषा है, जिसको प्रत्येक गाँव में थोड़े बहुत लोग अवश्य ही समझ लेते हैं, उसी का यथार्थ नाम हिंदी है। जार्ज ग्रियर्सन ने हिंदी को आम बोलचाल की महाभाषा कहा है। हिंदी की व्यावहारिक उपयोगिता, देशव्यापी प्रसार एवं प्रयोगगत लचीलेपन के कारण अंग्रेजों ने हिंदी को अपनाया। उस समय हिंदी और उर्दू को एक ही भाषा माना जाता था। अंग्रेजों ने हिंदी को प्रयोग में लाकर हिंदी की महती संभावनाओं की ओर राष्ट्रीय नेताओं एवं साहित्यकारों का ध्यान खींचा था। ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने सन 1828 में कहा, इस समग्र देश की एकता के लिए हिंदी अनिवार्य है। ब्रह्मसमाजी केशव चंद्र सेन ने 1875 ई. में एक लेख लिखा, भारतीय एकता कैसे हो, जिसमें उन्होंने लिखा— उपाय है सारे, भारत में एक ही भाषा का व्यवहार। अभी जितनी भाषाएँ भारत में प्रचलित हैं, उनमें हिंदी भाषा लगभग सभी जगह प्रचलित है। यह हिंदी अगर भारतवर्ष की एकमात्र भाषा बन जाए तो यह काम सहज ही और शीघ्र ही सम्पन्न हो सकता है। एक अन्य ब्रह्मसमाजी नवीन चंद्र राय ने पंजाब में हिंदी के विकास के लिए स्तुत्य योगदान दिया। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती गुजराती भाषी थे एवं गुजराती व संस्कृत के अच्छे जानकार थे। हिंदी का उन्हें सिर्फ. कामचलाऊ ज्ञान था, पर अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए तथा देश की एकता को मजबूत करने के लिए उन्होंने अपना सारा धार्मिक साहित्य हिंदी में ही लिखा। उनका कहना था कि हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। वे इस आर्यभाषा को सर्वात्मना देशोन्नति का मुख्य आधार मानते थे। उन्होंने हिंदी के प्रयोग को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। वे कहते थे, मेरी आँखें उस दिन को देखना चाहती हैं, जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा समझने और बोलने लग जाएँगे। महर्षि अरविन्द घोष की सलाह थी कि लोग अपनीझअपनी मातृभाषा की रक्षा करते हुए सामान्य भाषा के रूप में हिंदी को ग्रहण करें। एनी बेसेंट ने कहा था, भारतवर्ष के भिन्नझभिन्न भागों में जो अनेक देशी भाषाएँ बोली जाती हैं, उनमें एक भाषा ऐसी है जिसमें शेष सब भाषाओं की अपेक्षा एक भारी विशेषता है, वह यह कि उसका प्रचार सबसे अधिक है। वह भाषा हिंदी है। हिंदी जानने वाला आदमी सम्पूर्ण भारतवर्ष में यात्रा कर सकता है और उसे हर जगह हिंदी बोलने वाले मिल सकते हैं। भारत के सभी स्कूलों में हिंदी की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित करने के लिए हिंदी आवश्यक है। हिंदी बहुसंख्यक जन की भाषा है, एक प्रान्त के लोग दूसरे प्रान्त के लोगों से सिर्फ. इस भाषा में ही विचारों का आदानझप्रदान कर सकते हैं। भावी राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को बढ़ाने का कार्य समाज सुधारकों ने किया।

सन 1885 ई. में स्थापित कांग्रेस का राष्ट्रीय आंदोलन जैसे जैसे जोर पकड़ता गया, वैसेझवैसे राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय झण्डा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति आग्रह बढ़ता ही गया।1917 ई. में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने कहा, यद्यपि मैं उन लोगों में से हूँ, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है। तिलक ने भारतवासियों से आग्रह किया कि वे हिंदी सीखें। महात्मा गाँधी राष्ट्र के लिए राष्ट्रभाषा को नितांत आवश्यक मानते थे। उनका कहना था, राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। गाँधीजी हिंदी के प्रश्न को स्वराज का प्रश्न मानते थे— हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में सामने रखकर भाषाझसमस्या पर गम्भीरता से विचार किया।

दिल्ली के चुनाव आप के लिये परीक्षा की घड़ी

ललित गर्ग

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। आप दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है? चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। आप तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए आप ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। रेवड़ी पर चर्चा जैसी मुहिम से आप हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन आप के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। शीश महल विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि आप की उलटी गिनती तो शुरू हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली आप ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन आप ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ. 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फरवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए आप ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफी रोचक होने वाला है लेकिन यह आप के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरजोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये आप-दा यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले आप की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकर की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए आप सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है।

आखिर और कितने सहादत के बाद नक्सल मुक्त होगा छत्तीसगढ़

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़, भारत के मध्य में स्थित एक खनिज संपन्न राज्य है, जो नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। राज्य का बड़ा हिस्सा घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों से आच्छादित है, जो नक्सलियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह का काम करता है। पिछले कुछ दशकों में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़ के सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है। इस लंबी लड़ाई में अनगिनत सुरक्षा बलों ने अपने प्राणों की आहुति दी है, और यह सवाल उठता है कि आखिर यह समस्या कब समाप्त होगी। हाल ही में, 4 जनवरी 2025 को दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए और दंतेवाड़ा डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के हेड कांस्टेबल सन्नू कारम शहीद हुए। यह घटना न केवल सुरक्षा बलों की वीरता को उजागर करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि नक्सलवाद के खिलाफ यह लड़ाई कितनी कठिन और लंबी है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का प्रभाव सबसे अधिक बस्तर क्षेत्र में है, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और कोंडागांव जिले शामिल हैं। यह क्षेत्र आदिवासी बहुल है और यहां की जनसंख्या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। नक्सलियों ने इस स्थिति का फायदा उठाकर आदिवासियों को अपने आंदोलन में शामिल कर लिया। नक्सलवाद का समाधान केवल सुरक्षा बलों के ऑपरेशनों से संभव नहीं है। इसे समाप्त करने के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें विकास, पुनर्वास और सामाजिक न्याय शामिल हों। सरकार ने नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए कई कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), राज्य पुलिस और डीआरजी जैसे बलों को तैनात किया गया है, जो नियमित रूप से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशनों को अंजाम देते हैं। राज्य सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए विशेष योजनाएँ बनाई हैं। आत्मसमर्पण करने वालों को रोजगार, शिक्षा और अन्य सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं ताकि वे समाज की मुख्यधारा में लौट सकें। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। स्कूलों और अस्पतालों की स्थापना भी इन क्षेत्रों में हो रही है। आदिवासी समुदायों को नक्सलवाद से दूर रखने के लिए उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझकर समाधान प्रदान किए जा रहे हैं। हालांकि, नक्सलवाद के उन्मूलन में कई चुनौतियाँ हैं। घने जंगल और पहाड़ी इलाकों के कारण सुरक्षा बलों के लिए ऑपरेशन चलाना मुश्किल होता है।

आज का राशिफल

मेष बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सहकर्मियों के लिए थोड़ी परेशानी का कारण बन सकते हैं।

तुला आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है।

वृषभ परिवार के साथ खुशियों से भरा रहेगा। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

मिथुन इसमें आपके पिता का आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी।

धनु आज घर के सामान पर खर्च करना पड़ सकता है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कर्क आज अचानक धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर आज व्यापार में अच्छा लाभ होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

सिंह क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलने के योग हैं। आप संतान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे।

कुंभ जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। इस वजह से भागदौड़ और खर्च बढ़ सकता है।

कन्या परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा।

मीन आज वैवाहिक जीवन आनंददायक रहेगा। आज छोटी या लंबी यात्रा हो सकती है।

विशेष

इंडिया ब्लॉक को लेकर उमर क्या बोले

इंडिया ब्लॉक, जो लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रतीक बना अब उस पर सवाल उठ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रखी और सवाल भी किए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक की कार्यशैली और दिशा पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की तो कोई बैठक ही नहीं हो रही है और इसका नेतृत्व और एजेंडा अभी तक स्पष्ट नहीं है। एक तरफ दिल्ली विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित हो चुकी है और ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इंडिया ब्लॉक की बैठकें नहीं हो रही हैं। इसका नेतृत्व कौन करेगा? इसका एजेंडा क्या होगा? गठबंधन कैसे आगे बढ़ेगा? इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। वाकई यह चिंता का विषय है कि आगे हम सभी दल एकजुट रहेंगे या नहीं? कुछ भी सुनिश्चित नहीं है, जिस पर बात होनी ही चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था।

इस बार दिल्ली जीत कर रहेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतकर ही रहेंगे। जब से वह प्रधानमंत्री बने हैं। उनकी अब एक ही इच्छा दिल्ली को जीतने की रह गई है। साम दाम दंड भेद कैसे भी दिल्ली को जीत जाएं। बिना दिल्ली जीते अश्वमेध यज्ञ पूरा नहीं होगा। इसलिए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी पार्टी को आपदा बताते हुए हर हालत में, इस आपदा से निजात पाने के लिए बिसात बिछा दी है। चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उसी दिन दिल्ली विधानसभा का चुनाव परिणाम रखा है। जिस दिन वह सेवा निवृत होने जा रहे हैं। इसे आसानी से समझा जा सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1616 ब्रिटिश राजदूत सर थामस रो ने अजमेर में जहांगीर के दरबार में अपना परिचय पत्र पेश किया. 1693 कलकत्ता के संस्थापक जाब चानार्का का निधन. 1878 अंग्रेजों और मराठों के बीच तीसरा और अंतिम युद्ध हुआ था. 1919 ब्रिटिश सेना ने बगदाद रेलवे का प्रशासन अपने हाथ में ले लिया. 1920 लीग ऑफ नेशंस अस्तित्व में आया. 1942 जापानियों का द्वितीय विश्व युद्ध में डच इस्ट इंडीज पर हमला. 1959 जर्मन शांति समझौते के प्रारूप पर सोवियत संघ ने सम्मेलन का प्रस्ताव किया. 1963 भारत सरकार की स्वर्ण नियंत्रण लागू हुई. 1969 स्वीडन ने उत्तर वियतनाम से राजनयिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की. 1977 अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने के लिए सोवियत संघ ने दो अंतरिक्ष यात्री भेजे, 1990 चीन ने बीजिंग में सात माह में लगा मार्शल लॉ उठा लिया. 1997 मद्रास में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह संपन्न. 1992 बेंगलोर में 23वाँ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह संपन्न.

दैनिक पंचांग

10 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	कुंभ	08.50 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.23 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.53 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.33 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.31 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	17.45 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.01 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.13 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		तुला	00.24 बजे से
		वृश्चिक	02.38 ब.से
		धनु	04.54 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 10 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 10.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 13.46 बजे को समाप्त।
योग शुभ 14.37 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 10.20 बजे तदनन्तर बव 21.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872220
जूलियन दिन 2460685.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब **तारीख** 09
विशेष पौष पुत्रदा एकादशी, थाईलंग स्वामी जयंती, वैकुण्ठ एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कैल्शियम के लिए खाएं खसखस

खसखस के बीज पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन इनमें हड्डियों के लिए जरूरी कई सारे मिनरल्स होते हैं। इसलिए कमजोर हड्डियों को इन्हें खाने से मजबूती मिलती है।

शरीर की स्थिरता और मजबूती हड्डियों के दम पर होती है। इन्हीं से अंदर का ढांचा बनता है। अगर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं तो चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाता है। आपको बता दें कि हड्डियां कैल्शियम से बनी होती हैं, इसलिए इसकी बहुत जरूरत होती है। कैल्शियम पाने के लिए आप खसखस के बीज (पॉपी सीड्स) खा सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में यह मिनरल मौजूद होता है। आपको बता दें कि ये बीज अफीम के पौधे से प्राप्त होते हैं। लेकिन इन्हें खाने लायक बनाने के लिए कई प्रोसेस के बाद इनसे नशा करने वाले तत्व निकाल दिए जाते हैं। सही मात्रा में इनका सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं।

पोषण का भंडार हैं खसखस के बीज

खसखस के अंदर कैल्शियम के साथ फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक, कॉपर, सेलेनियम, विटामिन ई आदि कई सारे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने के लिए जरूरी हैं।

दूर होती है हड्डियों की कमजोरी

अगर कमजोरी की वजह से हड्डियों में दर्द हो रहा है तो खसखस के बीज जरूर खाएं। इनमें कैल्शियम, मैंगनीज, मैग्नीशियम और जिंक होता है। रिसर्च कहती है कि मजबूत हड्डियों के लिए इन सभी चीजों की जरूरत है।

वेट लॉस डाइट में करें शामिल

वेट लॉस के लिए फाइबर बहुत महत्वपूर्ण है। यह पेट को देर तक भरा रखता है और पाचन भी बेहतर करता है। अन्य बीजों की तरह खसखस में भी फाइबर की उच्च मात्रा होती है।

दर्द से छुटकारा दिलाता है खसखस

अनप्रोसेस्ड पॉपी सीड्स पर morphine, codeine, the-baine जैसे तत्व हो सकते हैं। दर्द से निजात दिलाने के लिए ये तत्व पेन किलर दवाओं के अंदर डाले जाते हैं। हालांकि, बिना प्रोसेस किए खसखस के बीज खाने से पहले किसी एक्सपर्ट की राय लेनी चाहिए।

इस वक्त मिलेंगे खसखस के फायदे

खसखस के बीजों को कभी भी खाया जा सकता है। हालांकि, सुबह खाली पेट इनका सेवन ज्यादा लाभदायक माना जाता है। मगर ध्यान रहे कि इसे खाने से पहले किसी एक्सपर्ट से सही मात्रा की जानकारी ले लें।

सुधर जाएगी हार्ट की हेल्थ

खसखस बीज के तेल में मोनो और पॉली अनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करते हैं। ये हेल्दी फैट होते हैं, जो हार्ट के लिए काफी फायदेमंद हैं और हार्ट अटैक से बचाते हैं।

कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है जरूरत से ज्यादा नमक सेवन

नमक हमारे खाने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह किसी भी खाने को स्वादिष्ट बनाता है। इसके बिना कोई भी खाना बेस्वाद लगता है। क्या आप जानते हैं कि दुनियाभर में लोग जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं। बहुत कम लोग ऐसे हैं, जो इस चीज का हिसाब रखते हैं कि वो एक दिन में कितना नमक खा रहे हैं। बता दें कि बहुत अधिक नमक कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। इससे शरीर के प्रमुख अंगों को नुकसान के साथ चयापचय संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं विकसित होने लगती हैं।

ज्यादा नमक यानी हेल्थ रिस्क

नमक दो चीजों से तैयार किया जाता है, जो कि है सोडियम और पोटेशियम। हम जो नमक खाते हैं, उसमें सोडियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जबकि पोटेशियम बहुत कम मात्रा में होता है। सोडियम को ज्यादा मात्रा में लेने पर लोग ब्लड प्रेशर के शिकार हो जाते हैं और उन पर हमेशा स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा मंडराता रहता है। बहुत ज्यादा नमक खाने से शरीर में कैल्शियम की कमी भी हो जाती है, जिसके चलते हड्डियां उम्र से पहले कमजोर होने लगती हैं।

ज्यादा नमक से क्या-क्या खतरा

ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें खाने में ऊपर से नमक डालने की आदत होती है। ऐसा करने से उन्हें खाने में स्वाद तो बहुत आता है, लेकिन ऐसे बहुत जल्दी वॉटर रिटेंशन से ग्रसित होते हैं और उनका शरीर फूला हुआ दिखाई देता है। कई रिसर्च के अनुसार, ज्यादा नमक के सेवन से पेट के कैंसर होने का खतरा भी बढ़ जाता है।
डॉ ब्रांका के अनुसार, हममें से ज्यादातर लोग हर चीज में बहुत ज्यादा नमक खा रहे हैं। हर दिन 5 ग्राम से ज्यादा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। आसान तरीके से समझना है, तो याद रखें कि आपके हर खाने में एक छोटा चम्मच नमक ही होना चाहिए। इससे अधिक सेवन करना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। यह दुनिया में औसतन लोगों द्वारा उपभोग किए जाने वाले नमक का आधा है।

एक चिप्स के पैकेट में भरकर होता है नमक

विशेषज्ञ बताते हैं कि घर से बाहर आप जो भी फूड खाते हैं, उसमें नमक की मात्रा जरूरत से ज्यादा होती है। दिनभर में आपको जितना नमक खाना चाहिए, उसका आधा आपको 150 ग्राम चिप्स के पैकेट में मिल जाता है। हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, आलू के चिप्स की एक सर्विंग में 170 मिग्री सोडियम पाया जाता है। जो शरीर की जरूरत से कई गुना ज्यादा है।

धीरे-धीरे कम करें नमक का सेवन

अगर आप नमक खाने के आदी हैं, तो एकदम से इसका सेवन कम न करें। डॉ. ब्रांका का सुझाव है कि इसका सेवन धीरे-धीरे कम कर अपने स्वाद को समायोजित कर सकते हैं। हालांकि, अपनी इस आदत को सुधारने में कुछ हफ्ते लगेंगे, लेकिन यह मुमकिन है। इसके अलावा विशेषज्ञ ने भोजन में कम नमक डालने की भी सलाह दी है।

प्रोसेस्ड फूड से करें परहेज

डॉ. ब्रांका कहती हैं कि हम सभी प्रोसेस्ड फूड से जितना परहेज करें, उतना अच्छा है। इनमें सबसे ज्यादा मात्रा

में नमक पाया जाता है। इसलिए कोशिश करें, कि इन्हें कम से कम खरीदा जाए। डॉ. ब्रांका कहती हैं कि बाजार के नमकीन स्नैक खाने के बजाय फल और सब्जियां खाने की आदत डालें। इनमें न केवल नमक बहुत कम मात्रा में होता है, बल्कि इसके सेवन से शरीर में जरूरी मिनरल्स की कमी भी पूरी हो जाती है।

रेडी-टू-ईट फूड में बेहिसाब नमक

आज की माईन जनरेशन रेडी-टू-ईट फूड पर भरोसा करती है। बिजी शेड्यूल के कारण मार्केट में मिनटों में तैयार होने वाले पैक्ड फूड की डिमांड भी सबसे ज्यादा है। डॉ. ब्रांका के अनुसार, ब्रेड, पनीर, प्रिजर्व्ड मीट और स्नैक्स में 80 प्रतिशत नमक पाया जाता है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

औषधीय गुणों की खान है इलायची

आमतौर पर अधिकतर घरों में इलायची का सेवन मुखशुद्धि के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। यह दो प्रकार की आती है- हरी या छोटी इलायची तथा बड़ी इलायची। जहां बड़ी इलायची व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है, वहीं हरी इलायची मिठाइयों की खुशबू बढ़ाती है। मेहमानों की आव भगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी महत्ता केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह औषधीय गुणों की खान है। आइए, जानें इनके औषधीय गुणों को। छोटी इलायची और बड़ी इलायची से होने वाले फायदों के बारे में

- **खराश** : यदि आवाज बैठी हुई है या गले में खराश है, तो सुबह उठते समय और रात को सोते समय छोटी इलायची चबा-चबाकर खाएं तथा गुनगुना पानी पीएं।
- **सूजन** : यदि गले में सूजन आ गई हो, तो मूली के पानी में छोटी इलायची पीसकर सेवन करने से लाभ होता है।
- **खांसी** : सर्दी-खांसी और छींक होने पर एक छोटी इलायची, एक टुकड़ा अदरक, लौंग तथा पांच तुलसी के पत्ते एक साथ पान में रखकर खाएं।
- **उल्टियां**: बड़ी इलायची पांच ग्राम लेकर आधा लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए, तो उतार लें। यह पानी उल्टियां रोकने में कारगर सिद्ध होता है।
- **बदहजमी** : यदि केले अधिक मात्रा में खा लिए हों, तो तत्काल एक इलायची खा लें। केले पच जाएंगे और आपको हल्कापन महसूस होगा।
- **जी मिचलाना** : बहुतों को यात्रा के दौरान बस में बैठने पर चक्कर आते हैं या जी घबराता है। इससे निजात पाने के लिए एक छोटी इलायची मुंह में रख लें।
- **छाले** : मुंह में छाले हो जाने पर बड़ी इलायची को महीन पीसकर उसमें पिसी हुई मिश्री मिलाकर जुबान पर रखें, तुरंत लाभ होगा।
- **बड़ी इलायची की चाय** : सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम हो जाने पर बड़ी इलायची की चाय या इसका काढ़ा बनाकर पीने से ठंड से राहत मिलती है।
- **कैफीन और विषैले पदार्थ** : बड़ी इलायची शरीर में जाकर एक डिटॉक्सीफायर का काम करती है। ये आपके शरीर से कैफीन और विषैले पदार्थों को बाहर निकाल फेकती है। इसका प्रभाव आपके चेहरे पर भी दिखता है और त्वचा में निखार आ जाता है।
- **कैंसर** : बड़ी इलायची में इस तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि कैंसर के मरीज को फायदा पहुंचाते है।
- **मजबूत बाल** : इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेटिव आपके सिर की त्वचा को पोषण देते है जिस वजह से बाल मजबूत होने लगते है।
- **तनाव व घबराहट** : यदि किसी को जल्द ही थकान, तनाव व घबराहट होती है, तो बड़ी इलायची को पीस कर, शहद में मिलाकर लेने से फायदा होगा।
- **सिर दर्द** : सिर दर्द होने पर भी बड़ी इलायची का सेवन लाभदायक होता है।
- **दांत का दर्द** : बड़ी इलायची और लौंग तेल को बराबर-बराबर मात्रा में लें। इसे दांतों पर मलने से दांत का दर्द ठीक होता है।
- **बड़ी इलायची का काढ़ा** : 4-5 बड़ी इलायची के फल को 400 मिली पानी में उबाल लें। इस काढ़ा से कुल्ला करने से दांत दर्द ठीक होता है।
- **मुंह के सूजन** : 2-3 बड़ी इलायची के छिलकों को पीसकर खाने से दांत की बीमारियों तथा मुंह के सूजन में लाभ होता है।
- **अधिक थूक बनना** : यदि मुंह में अधिक थूक आता हो या लार बहती हो तो बड़ी इलायची और सुपारी को बराबर-बराबर पीसकर मिला लें। इसे 1-2 ग्राम मात्रा में लेकर चूसते रहने से थूक कम बनता है और लार का बहना बंद हो जाता है।
- **सांसों के रोग** : 5-10 बूंद बड़ी इलायची तेल में मिश्री मिलाकर नियमित सेवन करने से सांसों के रोग में लाभ होता है।
- **भूख ना लगना** : एक ग्राम बड़ी इलायची बीज चूर्ण में 4 ग्राम मिश्री मिलाकर 1 ग्राम सुबह और शाम सेवन करने से गर्भवती स्त्री को भूख ना लगने की परेशानी में लाभ होता है।
- **मुंह से दुर्गंध** : अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो बड़ी इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा मुंह के घावों को ठीक करने के लिए भी बड़ी इलायची को इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई का दावा...चालू वित्त वर्ष में 6.3 प्रतिशत रहेगी वृद्धि दर, एनएसओ अनुमान से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई का दावा है कि आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुमान से भी कम करीब 6.3 फीसदी रह सकती है। एनएसओ ने एक दिन पहले ही 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर चार साल के निचले स्तर 6.4 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। एसबीआई ने अपनी शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' में कहा, आरबीआई और एनएसओ

के अनुमानों के बीच का अंतर हमेशा ही 0.20-0.30 फीसदी की सीमा में रहता आया है। लिहाजा, चालू वित्त वर्ष के लिए 6.4 फीसदी का अनुमान उचित है। हालांकि, इस अवधि में वृद्धि दर नीचे की ओर झुकाव के साथ 6.3 फीसदी रह सकती है। आरबीआई ने विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

सरकारी खर्च में कटौती से घटेगा राजकोषीय घाटा- बजट अनुमान के अनुरूप कर प्राप्तियां बढ़ीं और सरकारी खर्च कम हुआ, तो चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.9 फीसदी रहेगा। सरकार 16.1 लाख करोड़ के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर कायम रहती है तो यह पांच फीसदी पर रहेगा।

सरकारी खपत व निर्यात का सकारात्मक योगदान- रिपोर्ट में कहा गया है कि जीडीपी का पहला अग्रिम अनुमान 2024-25 में समग्र मांग में सुस्ती को दर्शाता है। हालांकि, सकारात्मक योगदान देने वाले घटकों में सरकारी खपत शामिल है, जिसमें मौजूदा कीमतों के संदर्भ में 8.5 फीसदी वृद्धि हुई है। निर्यात में भी आठ फीसदी की तेजी रही है।

गिरते मार्केट में स्विगी के शेयर भर रहे उड़ान, ग्लोबल फर्म ने दिया 635 का टार्गेट

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरते शेयर मार्केट में स्विगी के शेयर की कीमत गुरुवार को बीएसई पर इंट्राडे ट्रेड में 6 फीसद से ज्यादा उछल गई। स्विगी का शेयर 490.65 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 505.65 रुपये पर खुला और 6.12 फीसदी उछलकर 520.70 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दोपहर 12:20 बजे, एनएसई पर स्टॉक 4.27 प्रतिशत बढ़कर 511.55 रुपये पर कारोबार कर रहा था। उस समय सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत गिरकर 77,907 पर था। स्विगी के शेयरों में तेजी के पीछे मीडिया रिपोर्ट्स हैं, जिनमें कहा गया कि ग्लोबल फइनेंशियल फर्म बर्नस्टीन ने आउटपरफॉर्म व्यू के साथ स्टॉक पर कवरेज शुरू किया। इसमें 635 रुपये का टार्गेट प्राइस निर्धारित किया गया, जो 25 प्रतिशत की बढ़त की संभावना को दर्शाता है। जबकि, स्टॉक के उचित मूल्यांकन और संभावित री-रेटिंग की गुंजाइश को उजागर करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बर्नस्टीन स्विगी को भारत की इकोनॉमी में विजेताओं में से एक मानती हैं। कंपनी तेजी से ऑर्डर डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इससे बर्नस्टीन का मानना है कि स्विगी को सुपर-फास्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव से फायदा होगा। बर्नस्टीन को उम्मीद है कि फूड डीलीवरी सेगमेंट में एक ड्यूपॉली स्ट्रक्चर बनी रहेगी, लेकिन उसका मानना है कि वित्त वर्ष 2025-27 में खाद्य वितरण सकल ऑर्डर मूल्य 21 प्रतिशत बढ़ सकता है।

क्या आपको अभी स्विगी स्टॉक खरीदना चाहिए- हालांकि कंपनी और समग्र सेक्टर की ग्रोथ की संभावनाओं के कारण स्टॉक लॉन्ग टर्म के लिए एक आकर्षक दांव है, कुछ तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को खरीद शुरू करने से पहले स्टॉक को 522 से ऊपर बंद होने का इंतजार करना चाहिए।

सुस्ती का असर? मोबाइल फोन की घटी बिक्री

कंपनियों को लेने के देने पड़ गए

नई दिल्ली, एजेंसी। एक समय था, जबकि दुनिया भर की कंपनियां भारत आकर मोबाइल फोन बनाने के लिए फैक्ट्री लगा रही थी। सरकार यहां लोकल मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए अच्छी खासी प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेटिव दे रही थी। इसका फायदा उठाने के लिए यहां मोबाइल फोन बनाने की खूब क्षमता बढ़ी। लेकिन अब चाहे विदेशी बाजार हो या घरेलू, सब जगह मांग में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से इन फैक्ट्रियों की फोन उत्पादन क्षमता में से आधे का भी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

हमारे सहयोगी ईटी ने इंडस्ट्री एक्जीक्यूटिव्स और मार्केट पर नजर रखने वालों से बात कर एक रिपोर्ट बनाई है। इसके मुताबिक सरकार द्वारा प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव योजना का लाभ उठाने के लिए फैक्ट्री तो बन गई, लेकिन इस समय मोबाइल फोन विनिर्माण क्षमताओं में से आधे का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसकी वजह वैश्विक और घरेलू स्तर पर कमज़ोर मांग बताया जाता है। उनका कहना है कि कोरोना के बाद जब फैक्ट्री खुलीं, तभी से क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। साल 2022 में तो स्थिति और बिगड़ी। उस समय लग रहा था कि कुछ महीनों में स्थिति सुधरेगी, लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हो पाया है।

मोबाइल फोन असेम्बलिंग लाइन का दूसरा उपयोग- अब जबकि घरेलू बाजार में मोबाइल फोन पर्याप्त संख्या में बिक नहीं रहे हैं और निर्यात भी नहीं हो रहे हैं, तो जाहिर है कि नए फोन नहीं बनेंगे। ऐसे में कंपनियों ने असेंबली लाइन का उपयोग कुछ अन्य सामानों के निर्माण के लिए करना शुरू कर दिया है। इन असेंबली लाइन के एक बड़े हिस्से में टेलीकॉम इक्विपमेंट और हेड फोन, इयर फोन जैसे वियरेबल्स बनने लगे हैं।

भारत में कितने फोन बनाने की है क्षमता- काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, साल 2024 के अंत में भारत की वार्षिक मोबाइल फोन उत्पादन क्षमता 500 मिलियन यूनिट से अधिक थी। इसमें स्मार्टफोन, फीचर फोन और टैबलेट बनाने की क्षमता शामिल थी। इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अनुमान 400-420 मिलियन यूनिट है।

कितने फोन बन रहे हैं- काउंटरपॉइंट और इंडस्ट्री एसोसिएशन ने श्वक्ञ को बताया कि भारत में इस समय सालाना केवल 250 मिलियन मोबाइल फोन का ही उत्पादन हो पा रहा है। इनमें से 200 मिलियन स्मार्टफोन और फीचर फोन घरेलू बाजार के लिए हैं, जबकि बाकी, ज्यादातर द्वक्कद्धश्ठ्ठद्द, निर्यात किए जाते हैं। भारत में मोबाइल फोन निर्माण मुख्य रूप से पीएलआइ-पात्र खिलाड़ियों जैसे डिक्सन टेक्नोलॉजीज, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और होन हाई (फॉक्सकॉन) द्वारा संचालित है।

एंट्री लेवल फोन की बिक्री घटी

रिसर्च फर्म ष्टस्क्र के अनुसार, 2024 की जुलाई-सितंबर की तिमाही के दौरान एंट्री लेवल फोन और फीचर फोन के शिपमेंट में साल-दर-साल के आधार पर 14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। ऐसा मुख्य रूप से 4त्र फीचर फोन शिपमेंट में 46 प्रतिशत की गिरावट के कारण हुआ। इस दौरान 2त्र फीचर फोन की बिक्री में भी 1 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे पता चलता है कि अब भारतीय अर्थव्यवस्था में बेसिक मोबाइल फोन की मांग तेजी से घटती जा रही है।

स्मार्टफोन शिपमेंट में भी बदलाव नहीं

सब समझ रहे थे कि फीचर फोन या एंट्री लेवल फोन की बिक्री घटी है तो स्मार्टफोन की बिक्री बढ़ गई होगी। लेकिन स्मार्टफोन शिपमेंट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। कोविड के बाद की दबी हुई मांग के कारण साल 2021 में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई थी। लेकिन, उसके बाद, साल 2022 के दौरान स्मार्टफोन के शिपमेंट में 10 प्रतिशत की गिरावट आई। साल 2023 में स्थिति में मामूल सुधार हुआ। शिपमेंट में महज 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आईडीसी के अनुसार, 2024 में भी वॉल्यूम इसी तरह कम रहने की उम्मीद है।

60 प्रतिशत तक चढ़ सकता है टाटा मोटर्स का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 1 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 809.95 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 794.85 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी का मानना है कि इस प्राइस पर यह शेयर 60 प्रतिशत तक उछल सकते हैं। मैक्वेरी ने स्टॉक पर आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। इसका टारगेट प्राइस 1278 है, यह मौजूदा स्तरों से 60 प्रतिशत अधिक है।

मॉर्गन स्टेनली का टारगेट प्राइस- मॉर्गन स्टेनली ने भी इस शेयर पर 920 के टारगेट प्राइस के साथ अपनी इक्वलवेट रेटिंग दिया है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में कहा है कि तिमाही के लिए जेएलआर की थोक बिक्री उनके अनुमान से आगे रही। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, ब्रोकरेज को चालू तिमाही के लिए जेएलआर के लिए 9.6 प्रतिशत ईबीआईटी मार्जिन की उम्मीद है और वित्तीय वर्ष 2025 के 8.5 प्रतिशत के मार्जिन मार्गदर्शन को पूरा करने के लिए, जेएलआर को चौथी तिमाही में 9.5 प्रतिशत के ईबीआईटी मार्जिन की रिपोर्ट करनी होगी। जिन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 के लिए मार्जिन मार्गदर्शन देखने लायक एक महत्वपूर्ण ट्रिगर होगा। नोमुरा ने 990 के टारगेट प्राइस के साथ टाटा मोटर्स पर खरीदें रेटिंग दी है, जो मौजूदा स्तरों से 25 प्रतिशत की संभावित बढ़ोतरी का संकेत देता है। ब्रोकरेज को तीसरी तिमाही में अधिक मात्रा के कारण 250 मिलियन डॉलर के मुक्त नकदी प्रवाह की उम्मीद है। नोमुरा के अनुसार, दूसरी तिमाही में 22,000 करोड़ या 60 प्रति शेयर के शुद्ध ऋण से, टाटा मोटर्स वित्तीय वर्ष 2027 तक 86 प्रति शेयर की शुद्ध नकदी तक पहुंच सकती है। वित्तीय वर्ष 2027 के ईबीआईटीडीए के मुकाबले एंटरप्राइज वैल्यू का 4.2 गुना पर, नोमुरा का मानना है कि टाटा मोटर्स का मूल्यांकन आकर्षक है।

आंकड़े: बिजली उत्पादन की रफ्तार कोरोना के बाद सबसे धीमी

विनिर्माण गतिविधियों में कमजोरी से पड़ा प्रभाव

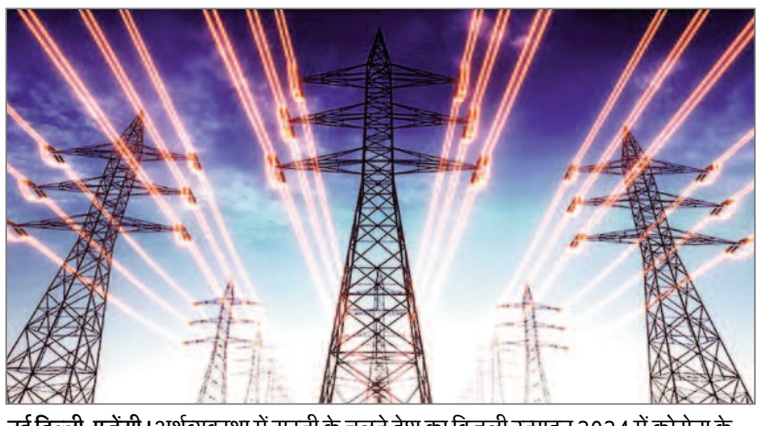

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था में सुस्ती के चलते देश का बिजली उत्पादन 2024 में कोरोना के बाद सबसे धीमी गति से बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में बिजली उत्पादन सालाना 5.8 प्रतिशत बढ़कर 1,824.13 अरब किलोवाट घंटे हो गया है। वर्ष की दूसरी छमाही में उत्पादन में वृद्धि औसतन 2.3 फीसदी रही, जो पहली छमाही की 9.6 फीसदी की वृद्धि का लगभग एक चौथाई है। आंकड़ों के अनुसार, बिजली उत्पादन में कमी अर्थव्यवस्था में नरमी के अनुरूप थी, जो 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के दौरान लगभग दो वर्षों में सबसे धीमी गति से बढ़ी। कमजोर मांग के बीच दिसंबर में विनिर्माण गतिविधि साल में सबसे कमजोर गति से बढ़ी है। हालांकि, विश्लेषकों को उम्मीद है कि विपरीत मौसम के कारण औद्योगिक गतिविधि व आवासीय बिजली के उपयोग में बढ़ोतरी से 2025 में खपत 6 से 7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। दिसंबर में पारा का स्तर गिरने और गरमी वाले उपकरणों के उपयोग में वृद्धि के साथ मांग पहले ही बढ़ गई है। बिजली की मांग में धीमी वृद्धि और उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में रिकॉर्ड 12.1 फीसदी की वृद्धि ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक को कोयले की हिस्सेदारी में तीन साल की बढ़त हासिल करने में मदद की।

कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ेगी हिस्सेदारी

विश्लेषकों को उम्मीद है कि इस साल प्राकृतिक गैस से चलने वाली बिजली की कीमत पर कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों की हिस्सेदारी बढ़ेगी, जो पिछले साल 17.3 फीसदी बढ़ी थी। इस वर्ष नवीकरणीय क्षेत्र में भी धीमी वृद्धि देखी गई। कुल सौर उत्पादन में 18.4 फीसदी की वृद्धि हुई जो 2015 में जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बाद से सबसे कम है।

जंगली फलों से खड़ा किया कैंडी और अचार का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार की शुरुआत करना आसान नहीं होता है। खासतौर से सिंगल मदर के लिए। लेकिन जिद के आगे सारी चुनौतियां फीकी पड़ जाती हैं। ऐसी ही चुनौतियां से पार पाया है मणिपुर की रहने वाली यांगमिला जिमिक ने। अब जब मणिपुर में हिंसा फैली हुई है, ऐसे में उनके लिए कारोबार करना कुछ मुश्किल हो रहा है लेकिन हौसले बुलंद हैं। 52 साल की यांगमिला ने अपने कारोबार की शुरुआत मात्र 500 रुपये से की थी। आज उनका टर्नओवर महीने का एक लाख रुपये से ज्यादा है। यांगमिला जंगली फलों से कैंडी और अचार बनाती हैं। उनकी कंपनी का नाम शिरीन प्रोडक्ट्स है। वह न केवल प्रोडक्ट बेचती हैं बल्कि स्थानीय किसानों और महिलाओं को भी सशक्त बना रही हैं।

21 साल की उम्र में बनी मां

यांगमिला मात्र 21 साल की उम्र में मां बन गई थीं। उन्हें कहीं से कोई सपोर्ट नहीं मिला। उन्हें अपने नवजात बच्चे को अकेले पालना पड़ा। कोई गुजारा भत्ता भी नहीं मिला। यांगमिला ने बताया कि शुरू में उनके पिता ने उनकी कुछ मदद की। लेकिन उनके पिता के गुजर जाने के बाद वह मदद भी बंद हो गई। ऐसे में सारी जिम्मदेारी उन्हें खुद उठानी पड़ी।

10वीं की पढ़ाई छोड़ बिजनस में रखे कदम

यांगमिला का सफर बहुत आसान नहीं रहा। परिवार की आर्थिक स्थिति संभालने के लिए उन्हें 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ गई। इसके बाद उन्होंने सब्जियां तक बेचनी पड़ीं। यही नहीं, उन्होंने चाय की दुकान भी चलाई। साथ ही सेकेंड हैंड कपड़े बेचना और यहां तक कि मुर्गी पालन का काम भी किया।

फूड प्रोसेसिंग में रखा कदम

यांगमिला का कोई भी काम सही से नहीं चला, लेकिन वह बताती हैं कि हर प्रयास ने कई सबक दिए। बाद में उन्होंने जंगली फलों से बनी ताजी कैंडी में मौका दिखाई दिया। इसके लिए उन्होंने साल 2015 में घर पर ही प्रयोग करना शुरू किया। उन्होंने अपने गांव और उसके आस-पास से जंगली फलों का इस्तेमाल करके अचार और कैंडी बनाना शुरू किया।

ऐसे पहुंची ऊंचे मुकाम पर

यांगमिला ने जो पहला प्रोडक्ट बनाया वह आंवले की कैंडी थी। उन्होंने कहा कि उस समय उनके पास मात्र 500 रुपये थे। उससे उन्होंने आंवले का एक डिब्बा और थोड़ी चीनी खरीदी। उन्होंने कैंडी का पहला बैच तैयार किया और बेचने निकल पड़ीं। उन्होंने कुछ पैकेट सैंपल के तौर पर फ्री में दिए। इसके बावजूद वह 650 रुपये कमाने में सफल रहीं। उन्होंने अपने कारोबार को आगे बढ़ाया। दूसरे बैच से उन्हें 1,000 रुपये की कमाई हुई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह 40 से ज्यादा तरह के प्रोडक्ट बनाती हैं। इनमें अचार, कैंडी और स्क्वैश शामिल हैं। वह बताती हैं कि उनके ज्यादातर अचार उनके 5000 वर्ग फुट के किचन गार्डन से ताजी और जैविक रूप से उगाई गई सब्जियों का इस्तेमाल करके बनाए जाते हैं।

देश के कई हिस्सों में मौजूदगी

आज वह हर महीने एक लाख रुपये से अधिक की बिक्री कर लेती हैं। इसमें उनका प्रॉफिट मार्जिन 25 फीसदी होता है। जंगली जैतून, बेर, जंगली सेब, करौंदा, कीवी आदि जैसे अनूठे स्वादों वाले उनके प्रोडक्ट अब मणिपुर, असम, नागालैंड, मुंबई और दिल्ली में भी मौजूद हैं।

नोएल टाटा की बेटियां रतन टाटा इंस्टीट्यूट के बोर्ड में शामिल, खुलकर सामने आए मतभेद

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा की बेटियों माया और लीह को सर रतन टाटा इंडस्ट्रियल इंस्टीट्यूट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में शामिल किया गया है। यह सर रतन टाटा ट्रस्ट का एक सबसेट है जो ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के दो प्रमुख शेयरधारकों में से एक है। माया और लीह टाटा ने अरनाज कोटवाल और फ्रेडी तलाटी की जगह ली है। इन दोनों ने एसआरटीआईआई के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही नोएल टाटा के बच्चे सभी छोटे आकार के टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में शामिल हो गए हैं। उन्हें अभी दो मुख्य ट्रस्टों सर रतन टाटा ट्रस्ट एंड अलाइड ट्रस्ट्स और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और अलाइड ट्रस्ट्स में शामिल किया जाना बाकी है।

लीह (39), माया (36) और नेविल (32) नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं। नोएल टाटा दिवंगत रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। उन्हें अक्टूबर 2024 में टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। ट्रस्टीज में बदलाव ने आंतरिक मतभेद पैदा कर दिया है। एक निवर्तमान ट्रस्टी अरनाज कोटवाल ने साथी ट्रस्टियों को पत्र लिखकर इस पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि नए ट्रस्ट्रीज को लाने के लिए जिस तरह से उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया, वह सही नहीं था।

अरनाज की नाराजगी

अरनाज ने साथी ट्रस्टीज को लिखे पत्र में लिखा, चूंकि मैं अब दुबई में हूं और काफी सोच-विचार के बाद मैंने बुर्जिस के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। लेकिन मुझे बहुत दुःख हुआ कि आप में से किसी ने भी इस मामले के बारे में मुझसे सीधे बात करने के लिए संपर्क नहीं किया। मुझे इस बात से हैरानी हुई कि सीईओ सिद्धार्थ शर्मा के गाइडेंस में एक अजनबी ने मुझसे संपर्क किया। इन दोनों का एसआरटीआईआई से कोई संबंध नहीं है। बुर्जिस तारापोरवाला टाटा ट्रस्ट्स में एग्जीक्यूटिव हैं और सिद्धार्थ शर्मा सीईओ हैं।

क्या करता है ट्रस्ट

उन्हें फ्रेडी तलाटी और अरनाज कोटवाल के स्थान पर शामिल किया गया है। फ्रेडी तलाटी अभी एनसीपीए के साथ हैं और उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अरनाज कोटवाल दुबई से वीएफएस ग्लोबल के साथ काम कर रही हैं।

एसआरटीआईआई का व्यापक अपग्रेडेशन किया जा रहा है। इसे देखते हुए एसआरटीटी ट्रस्टी ऐसे नॉमिनी चाहते थे जिन्हें एसआरटीआईआई में काम करने का अनुभव है तथा जो रेगुलर रूप से मुंबई में रहते हैं। एसआरटीआईआई की स्थापना 1928 में लेडी नवाजबाई टाटा तथा स्त्री जरथोस्त्री मंडल ने गरीब महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए की थी। संस्थान ने कुकिंग, सिलाई, कढ़ाई तथा मोंटेसरी शिक्षक प्रशिक्षण यूनिट में महिलाओं के लिए संस्थान बनाए हैं।

अधिकारी ने कहा कि लीह तथा माया की नियुक्ति का निर्णय एसआरटीटी बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया। इसमें नोएल टाटा, विजय सिंह, वेणु श्रीनिवासन, डेरियस खंबाटा, जहांगीर एच. जहांगीर तथा मेहली मिस्त्री शामिल थे। एसआरटीआईआई के बोर्ड में अन्य ट्रस्टियों में फरीदा टाटा, आलू टाटा, मेहनोश कपाड़िया तथा धन खुसरोखान शामिल हैं। छोटे ट्रस्टों में नई पीढ़ी की भागीदारी से उनके ग्रुप लेवल पर बड़ी भूमिकाओं के लिए तैयार होने की उम्मीद है।

एलपीजी पर सब्सिडी बढ़ी तो बढ़ गई उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की गैस की खपत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी का असर दिखने लगा है। इस योजना के लाभार्थियों की रसोई गैस की खपत में वृद्धि हुई है। हालांकि, यह खपत अब भी सामान्य उपभोक्ताओं की खपत से लगभग आधी है। पेट्रोलियम गैस मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी देने के बाद खपत बढ़ी है। एलपीजी गैस सिलेंडर की प्रति उज्ज्वला लाभार्थी खपत 2019-20 के 3.01 से बढ़कर 2023-24 में 3.95 सिलेंडर प्रति वर्ष हो गई है। वहीं, चालू वित्त वर्ष में यह खपत अक्टूबर 2024 तक 4.34 हो गई थी। सामान्य एलपीजी उपभोक्ता की खपत सालाना सात से आठ सिलेंडर के बीच है।

बजट में नए कनेक्शन पर घोषणा संभव- एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार फिलहाल उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए सब्सिडी जारी रखेगी, ताकि सिलेंडर भरवाने में उनकी जेब पर बहुत असर न पड़े। केंद्र सरकार आम बजट में योजना के तहत और कनेक्शन जारी करने की घोषणा कर सकती है। योजना काफी सफल रही है और भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ भी मिला है। बिहार समेत कई राज्यों में इस वर्ष विधानसभा चुनाव भी हैं।

उज्ज्वला 2.0 के तहत कनेक्शन लेने के लिए पात्रता

एक ही घर में किसी भी ओएमसी से कोई अन्य एलपीजी कनेक्शन नहीं होना चाहिए। निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से संबंधित वयस्क महिला - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी), अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई), चाय और पूर्व चाय बागान जनजातियां, वनवासी, द्वीप और नदी द्वीप समूह में रहने वाले लोग, एसईसीसी परिवारों (एएचएल टिन) या 14 सूत्री घोषणा के अनुसार किसी भी गरीब परिवार के तहत सूचीबद्ध हैं।

मार्टिन गप्टिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

वनडे वर्ल्ड कप का हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बना चुके; न्यूजीलैंड के टॉप टी-20 स्कोरर

आकलेंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के ओपनर बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने बुधवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले बैटर हैं। गप्टिल ने 2015 के वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 237 रन की पारी खेली थी।

गप्टिल ने टी-20 इंटरनेशनल में कीवियों के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह अभी सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ऑकलैंड एसेस की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट को दिए गए इंटरव्यू में कहा, 14 साल तक ब्लैककैप्स के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान था।

न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था

गप्टिल ने कहा, बचपन से ही न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था। मैं अपने देश के लिए 367 मैच खेलकर भाग्यशाली महसूस करता हूं। मैं अपने सभी टीम-साथियों और कोचिंग स्टाफ को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से मार्क ओ डोनेल को, जिन्होंने अंडर-19 स्टेज पर मुझे ट्रेनिंग दी थी।

14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला

38 वर्षीय गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। 2009 से 2022 तक मार्टिन गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 367 मैच खेले, इस दौरान उन्होंने 23 शतक भी लगाए। गप्टिल ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था। ??

टी-20 में कीवियों के बेस्ट बल्लेबाज गप्टिल ने 122 टी-20 में 3531 रन बनाए। वनडे में मार्टिन ने 198 मैचों में 7346 रन बनाए हैं। वह वनडे में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे रॉस टेलर और स्टीफन फ्लेमिंग हैं।

पाकिस्तान ने ट्राई-सीरीज के वेन्यू बदले

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के साथ होने वाली ट्राई सीरीज के वेन्यू बदल दिए हैं। 4 मैचों की सीरीज पहले मुल्तान में होने वाली थी, लेकिन अब मुकाबले लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। इन्हीं 2 वेन्यू पर चैंपियंस ट्रॉफी के 7 मैच भी होने हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी ने दोनों ही स्टेडियम का रिनोवेशन करवाया था। ट्राई-सीरीज 8 फरवरी से शुरू होगी। पीसीबी ने बयान दिया, ट्राई सीरीज के साथ ही हमने तय कर दिया है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दोनों वेन्यू तैयार हैं। टूर्नामेंट का तीसरा वेन्यू रावलपिंडी है।

पीसीबी ने स्टेटमेंट रिलीज करते हुए कहा, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम का रिनोवेशन वर्क लगभग पूरा होने वाला है। इसीलिए बोर्ड ने दोनों वेन्यू को वनडे ट्राई सीरीज की मेजबानी दे दी। इससे पहले न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच होने वाली सीरीज मुल्तान में होने वाली थी।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी के स्टेडियम का रिनोवेशन पिछले साल ही शुरू कर दिया था। रिनोवेशन के कारण ही यहां टीम के 7 घरेलू टेस्ट भी नहीं हो सके। कराची में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट होना था, लेकिन उसे मुल्तान में कराया गया। मुल्तान में ही जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट भी खेले जाएंगे। पाकिस्तान 29 साल बाद आईसीसी इवेंट की होस्टिंग करने जा रहा है। इससे पहले 1996 में देश को वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली थी।

आईसीसी ने सिडनी पिच को संतोषजनक रेटिंग दी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए इस्तेमाल की गई सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (स्टत्र) की पिच को 'संतोषजनक' रेटिंग दी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया था। इसमें भारत को 6 विकेट से हार मिली थी। बीजीटी के बाकी चार वेन्यू पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम, एडिलेड ओवल, ब्रिस्बेन के द गाबा और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमजीसी) को 'बहुत अच्छी' रेटिंग मिली है। सिडनी टेस्ट तीसरे दिन टी-ब्रेक से पहले यानी ढाई दिन में ही खत्म हो गया था। इसमें पहले दिन 11, दूसरे दिन 15 और तीसरे दिन 8 विकेट गिरे थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कॉमेंट्री के दौरान सिडनी की पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि अगर भारत में मैच 3 दिन में खत्म हो जाता है तो बहुत बवाल देखने को मिलता है।

उन्होंने मैच के बाद कहा, यह आइडियल टेस्ट मैच पिच नहीं है, जैसा आप चाहते हैं, क्योंकि आप चाहते हैं कि मैच चौथे और पांचवें दिन तक चले। अगर भारत में (एक दिन में) 15 विकेट गिरते, तो इस पर खूब ड्रामा होता।आईसीसी ने अपनी पिच रेटिंग सिस्टम को चार कैटेगरी में बांट रखा है। इसमें बहुत अच्छा, संतोषजनक, असंतोषजनक और अनफिट शामिल है। आईसीसी की 'पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रोसेस' के तहत सभी मैचों के दौरान पिच और आउटफील्ड पर नजरें रहती हैं। मैच रेफरी जिस पिच और आउटफील्ड को असंतोषजनक मानता है, आईसीसी उसे एक डिमेरिट पॉइंट देता है। यदि कोई वेन्यू 5 साल के अंदर 6 या उससे ज्यादा डिमेरिट पॉइंट्स हासिल करता है, तो उसे 12 महीने के लिए बैन कर दिया जाता है। यानी उस वेन्यू पर एक साल तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं होता है।

गावस्कर बोले- अगले भारतीय कप्तान बन सकते हैं बुमराह

वे आगे बढ़कर लीड करते हैं; जसप्रीत ने बीजीटी में इकलौता मैच जिताया था

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज ओपनर सुनील गावस्कर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम का अगला कप्तान बताया है। 75 साल के गावस्कर ने चैनल-7 से कहा- मुझे लगता है कि वह अगला व्यक्ति (कप्तान) हो सकता है। क्योंकि वह आगे बढ़कर लीड करता है। उनके अंदर एक बहुत ही अच्छी छवि है, जो लीडर की है।

बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले और आखिरी मुकाबले में रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया की कप्तानी की थी। भारतीय टीम को पर्थ में खेले गए पहले मुकाबले में 295 रनों की जीत मिली थी। जबकि सिडनी टेस्ट में 6 विकेट की हर झेलनी पड़ी। इस सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम किया।

कप्तानी के दावेदार हैं बुमराह

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 32 विकेट झटके थे। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। बीजीटी में बुमराह के दमदार प्रदर्शन में उन्हें कप्तानी के दावेदारों में शामिल कर दिया है।

रोहित शर्मा की कप्तानी खतरे में हैं

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी खतरे में है, क्योंकि वे पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे हैं। रोहित ने बीजीटी में महज 31 रन बनाए। ऐसे में उन्हें कप्तानी से हटाए जाने की मांग उठ रही है। इसी मांग के बीच गावस्कर ने बयान दिया है।सुनील गावस्कर ने कहा (बुमराह) अगला व्यक्ति (कप्तान) हो सकता है। मुझे लगता है कि वह अगला व्यक्ति (कप्तान) होगा। क्योंकि, वह आगे बढ़कर लीड करता है। उसके अंदर लीडर की छवि है। वे (बुमराह) ऐसे नहीं है, जो आप पर दबाव डाल सके। कई बार आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं, जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि खिलाड़ी अपना काम करेंगे। उन पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालते हैं। तेज गेंदबाजी के मामले में बुमराह शानदार रहे हैं। वे मिड ऑफ और लॉन्ग ऑफ में खड़े होकर अन्य बॉलर्ड को गाइड करते रहे हैं। मुझे लगता है कि वे शानदार थे, जल्द ही वे कप्तानी कमान संभल लें तो मुझे आर्श्चय नहीं होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20, वनडे सीरीज में आराम संभव

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में आराम दिया जा सकता है। उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के तरह आराम दिया जा रहा है। वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैचों में 141.2 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं। इंग्लिश टीम चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले भारत के दौरे पर आ रही है। टीम को यहां 5 टी-20 और 3 वनडे की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 22 जनवरी से शुरू हो रही है।

मोहम्मद शमी चैंपियंस ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं

पोस्ट कर लिखा- दुनिया से टकराने के लिए तैयार, फुल स्ट्रेंथ बॉलिंग करते दिखे

मुंबई (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चैंपियंस ट्रॉफी से भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को एक वीडियो पोस्ट के जरिए अपनी फिटनेस अपडेट दी है। 27 सेकंड के वीडियो में शमी फुल स्ट्रेंथ गेंदबाजी करते दिखे।

34 साल के इस गेंदबाज ने अपनी पोस्ट में लिखा- सटीकता, गति और जुनून...दुनिया से टकराने के लिए पूरी तरह तैयार! शमी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया था, हालांकि उन्होंने रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से वापसी की दावेदारी की थी। जो शमी की वापसी के संकेत दे रहीं।

शमी ने चोट के बाद बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी के राउंड-1 में मप्र के खिलाफ मैच से वापसी की। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली (टी-20) और विजय हजारे ट्रॉफी (वनडे) में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जिससे भारतीय टीम में उनकी वापसी की उम्मीद बढ़ गई हैं।पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा- अगर मोहम्मद शमी को 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दौर में टीम में शामिल किया जाता, तो भारत का पलड़ा भारी हो सकता था। दोनों ने उनके इंजरी मैनेजमेंट सिस्टम पर सवाल भी उठाए। ऐसे में सिलेक्टर्स को शमी के बारे में सोचना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर संशय

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पर संशय है। उनके टखने में चोट है, जिसके लिए उन्हें स्कैन करवाना होगा। ऑस्ट्रेलिया के चीफ सिलेक्टर जॉर्ज बैली ने पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया है।बैली ने बताया, पैट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, जिसके लिए

अभी ब्रेक पर हैं। उनके टखने में हल्की चोट है। अगले सप्ताह उनका स्कैन होगा, जिसके बाद हमें उनकी चोट की स्थिति का पता चलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या कमिंस चैंपियंस ट्रॉफी में खेल पाएंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। स्कैन की रिपोर्ट देखने के बाद ही फैसला लिया जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस की कप्तानी में हाल ही में भारत के खिलाफ 3-1 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) से जीती थी। कमिंस बीजीटी में टीम के टॉप विकेट टेकर थे। उन्होंने 2023 में अपनी टीम को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया था।पैट कमिंस भारत के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के टॉप विकेट टेकर थे।

इंग्लैंड से ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला

चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला पाकिस्तान से 22 फरवरी को होगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ ग्रुप-2 में रखा गया है।

श्रीलंका से टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

कमिंस ब्रेक पर, स्मिथ करेंगे कप्तानी 29 जनवरी से खेला जाएगा पहला मुकाबला

सिडनी (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को 16 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान किया। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। कमिंस दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, इसलिए वे ब्रेक पर हैं। साथ ही वे टखने की चोट से उबर रहे हैं।

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चोट लग गई थी, इस वजह से वे आखिरी मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। श्रीलंका दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 29 जनवरी से होगी।

कोनोली को पहली बार मौका

कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में मौका मिला है। ओपनर नाथन मैकस्वीनी की इस

दौरे से वापसी होगी। उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण भारत के खिलाफ आखिरी दो मुकाबलों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से डेब्यू किया था।ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने उस मैच की दोनों पारियों में 96 रन बनाए थे और एक विकेट लिया था।

3 स्पेशलिस्ट स्पिनर और 3 पेसर शामिल

बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमन, ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी और नाथन लियोन तीन स्पिनर्स टीम में शामिल हैं। हेड, मैकस्वीनी, वेबस्टर जैसे खिलाड़ी भी टीम के पास स्पिन के बेहतरीन ऑप्शन हैं। वहीं, मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और सॉन एबॉट तीन स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज इस दौरे पर टीम के साथ जाएंगे।

श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड (उप कप्तान), सॉन एबट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी फाइनल-वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है, लेकिन साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में खेले गए फाइनल मैच में भारत को 209 रनों से हराया था।

मलेशिया ओपन बैडमिंटन मैच में स्टेडियम की छत लीक हुई

कुआलालंपुर (एजेंसी)। कुआलालंपुर के एक्सियाटा एरिना में खेले जा रहे मलेशिया ओपन के पहले राउंड में एच एस प्रणय का मैच कनाडा के ब्रायन यांग के साथ था।

मलेशिया ओपन में एचएस प्रणय का मैच छत से पानी टपकने के कारण रद्द कर दिया गया है। मंगलवार को कुआलालंपुर के एक्सियाटा एरिना में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले राउंड में प्रणय का मैच कनाडा के ब्रायन यांग के साथ था।

अभी 25 मिनट का खेल ही हुआ था कि छत से पानी के टपकने के कारण मैच को रोक दिया गया। तब प्रणय 21-12, 6-3 से आगे चल रहे थे। जब 2.घंटे 45 मिनट के बाद मैच रोका फिर से शुरू हुआ, लेकिन दोबारा पानी टपकने की वजह से इसे रद्द कर दिया गया। तब केवल 5 मिनट का ही खेल हुआ था। दूसरे गेम में ब्रायन यांग 11-9 से आगे चल रहे थे।

कोर्ट पर से पानी सुखाने के लिए आयोजकों की ओर से तौलिये का इस्तेमाल किया गया। कर्मचारी तौलिये से पानी को सुखा रहे थे। ऐसे में कोर्ट को फिर से खेलने के लिए तैयार करने में करीब 3 घंटे का समय लग गया।

एचएस प्रणॉय और ब्रायन यांग बुधवार को 21-12, 9-11 के स्कोर के साथ अपना मैच फिर से शुरू किए। दूसरा गेम यांग 21-17 से जीत लिए। वहीं तीसरे गेम में प्रणॉय ने वापसी की और इस मैच को 21-15 से जीत

लिया।एचएस प्रणॉय और ब्रायन यांग का मैच रोका गया, तब स्कोर 21-12, 9-1 था।

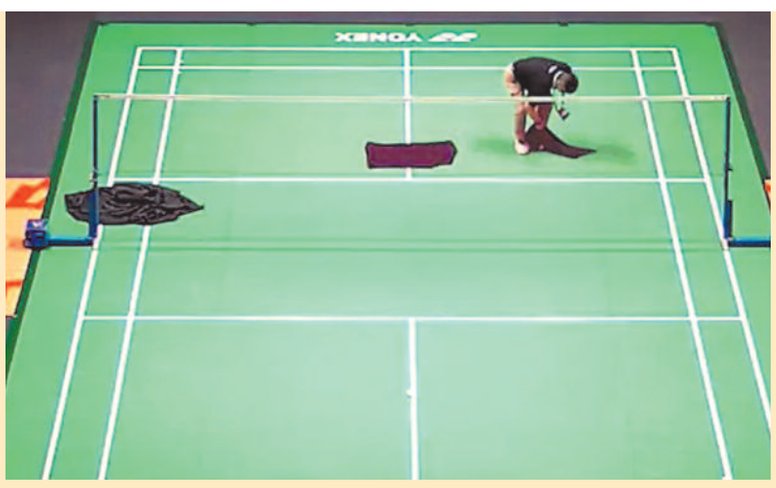

वर्ल्ड के 12वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन पहले राउंड में ही बाहर हो गए। उन्हें ची यू-जेन के खिलाफ 14-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। पेरिस 2024 ओलिंपिक गेम्स के सेमीफाइनलिस्ट को शुरू से ही मुकाबले पर पकड़ बनाने में संघर्ष करना पड़ा और पूरे मैच में वे पीछे रहे। ऐसे में ताइवान के शटलर ने उन्हें सीधे गेम में हराकर बीडब्लयूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अगले राउंड में जगह बनाई।

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद विमेंस डबल्स के अगले राउंड में पहुंच गई हैं। उन्होंने राउंड ऑफ 32 मैच में ओर्निचा जोंगसाथपोर्नपर्न और सुकिता सुवाचाई को हराकर जीत हासिल की। ?

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली। इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

वामिका ने की इम्तियाज अली की तारीफ

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने जीवन में एक ÷खूबसूरत भूमिका निभाने का श्रेय फिल्म निर्माता इम्तियाज अली को दिया और खुद पर विश्वास दिलाने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री वामिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के सेक्शन पर इम्तियाज की एक पोस्ट को फिर से साझा किया, जिसमें साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'जब वी मेट' का एक पल दिखाया, फिल्म में वामिका ने करीना कपूर खान के लोकप्रिय किरदार 'गीत' की चचेरी बहन की भूमिका निभाई थी। पोस्ट को साझा करते हुए निर्माता-निर्देशक ने लिखा, क्या आप जानते हैं कि 'जब वी मेट' में 'गीत' की छोटी बहन की भूमिका निभाने वाली यह लड़की कोई और नहीं, बल्कि वामिका गब्बी हैं। पोस्ट को फिर से अपने स्टोरीज सेक्शन पर साझा करते हुए वामिका ने कैप्शन में लिखा, इम्तियाज सर, आपने मेरी जिंदगी में एक खूबसूरत भूमिका निभाई है। इस छोटी स्कूल जाने वाली लड़की को खुद पर विश्वास दिलाने के लिए आपका शुक्रिया।जब वी मेट में करीना कपूर खान, शाहिद कपूर, तरुण अरोड़ा, सौम्या टंडन और दिवंगत दारा सिंह के साथ वामिका गब्बी भी हैं।

फिल्म की कहानी एक बड़े व्यवसायी आदित्य कश्यप और पंजाबी चंचल लड़की गीत की है, जिसे मनोरंजक तरीके से गढ़ा गया। फिल्म में वामिका गब्बी करीना की चचेरी छोटी बहन के किरदार में नजर आई थीं। वामिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री हाल ही में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के साथ बेबी जॉन में नजर आई थीं। अभिनेत्री के पास विनय कुमार सिरिगिनीडी के निर्देशन में तैयार जासूसी-थ्रिलर जी 2 फिल्म है। गुडाचारी के सीक्वल में वामिका, अदिवी शेष के साथ नजर आएंगी। 'जी2' में अभिनेत्री के साथ अभिनेता इमरान हाशमी, मुरली शर्मा, सुप्रिया यारलागड्डा और मधु शालिनी भी नजर आएंगे।

दिल में विवादित दृश्य को लेकर

आमिर खान ने मुझे पागल कहा था: इंद्र कुमार

मस्ती और धमाल सीरीज में अपने काम के लिए मशहूर बॉलीवुड फिल्म निर्माता इंद्र कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में जानकारी साझा की। निर्देशक, जिन्होंने 1990 की फिल्म दिल में आमिर के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी, जिसमें माधुरी दीक्षित भी थीं, ने याद किया कि अभिनेता को फिल्म के एक विवादास्पद दृश्य के बारे में संदेह था। आमिर खान और इंद्र कुमार ने पहली बार फिल्म मन के लिए साथ काम किया था। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, इंद्र कुमार ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण थे जहाँ आमिर खान की सहज प्रवृत्ति गलत साबित हुई। दिल के एक दृश्य का उदाहरण देते हुए, जिस पर अभिनेता को शुरू में संदेह था लेकिन अंततः फिल्म में यह सफल साबित हुआ, इंद्र ने कहा, दिल में एक दृश्य था जिसके बारे में आमिर ने अपने साक्षात्कारों में बात की थी; वह दृश्य जिसमें वह एक छड़ी तोड़ता है और शादी कर लेता है।

आमिर आश्वस्त नहीं थे। उन्होंने कहा, इंदु तू पागल हो गया है, स्टूल तोड़ के कोई शादी करता है? उन्होंने कहा, यह एकमात्र ऐसा समय था जब हमारे बीच असहमति थी। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक हम सीन पर चर्चा करते रहे। मैंने आमिर से कहा कि मैं अपनी जान की बाजी लगाने के लिए तैयार हूं और दर्शक इस सीन पर तालियां बजाएंगे। और मैं सही था। मुझे लगा कि मन चलेगा, लेकिन मैं गलत था। ऐसा ही है। 1990 में रिलीज़ हुई फ़िल्म दिल एक बड़ी हिट फ़िल्म थी जिसमें आमिर ख़ान और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में थे। इसे इसके संगीत और कहानी के लिए याद किया जाता है।

एक्टर्स पब्लिसिटी के लिए बॉडीगार्ड से करवाते हैं हंगामा

सोनू सूद ने खोला बॉलीवुड का कच्चा चिट्ठा

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मुखर होकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। वह राजनीतिक मुद्दों पर भी अपने विचार खुलकर रखते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय रहते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोनू सूद फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्री की कई छुपी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि कुछ अभिनेता लोगों का अटेंशन लेने के लिए अपने बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं।

पब्लिसिटी के लिए कलाकार करते हैं ये काम

हाल ही में जिस्ट के साथ एक साक्षात्कार में, सोनू सूद ने बॉलीवुड कलाकारों पर कटाक्ष किया है और कहा है कि कुछ लोग कैमरे के पीछे भी काफी अच्छी एक्टिंग करते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोगों के सिर्फ कैमरे के आगे की एक्टिंग करनी चाहिए। जैसे ही कैमरा बंद हो जाए, उन्हें एक्टिंग करनी भी बंद कर देनी चाहिए। हालांकि, कुछ लोगों से इतना भी नहीं होता है, उनकी पूरा जीवन हर समय एक्टिंग करने में ही निकल जाता है।

दिल का दौरा पड़ने से

मशहूर पत्रकार प्रीतिश नंदी का निधन, अनुपम खेर ने शेयर की भावुक पोस्ट

पत्रकार से निर्देशक बने प्रीतिश नंदी का बुधवार को मुंबई में उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इस खबर की पुष्टि दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने की। अभिनेता खेर ने अपने एक्स पर दिवंगत निर्देशक की याद में एक नोट साझा किया और दशकों पुरानी दो मोनोक्रोमैटिक तस्वीरें साझा की। अनुपम ने लिखा, मेरे सबसे प्यारे और करीबी दोस्तों में से एक प्रीतिश नंदी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ और सदमा लगा।

अद्भुत कवि, लेखक, फिल्म निर्माता और एक साहसी और अद्वितीय संपादक/पत्रकार थे। वह मेरे सपोर्ट सिस्टम थे और मुंबई में मेरे शुरुआती दिनों में ताकत का एक बड़ा स्रोत थे। उन्होंने आगे लिखा, ÷हमारे बीच कई चीजें एक जैसी थी। वह उन सबसे निडर लोगों में से एक थे, जिनसे मैं मिला था। मैंने उनसे बहुत सी चीजें सीखीं। हाल ही में हम अक्सर नहीं मिलते थे। लेकिन एक समय था जब हम अविभाज्य थे। वह यारों के यार की सच्ची परिभाषा थे। मैं उनके साथ बिताए पलों को हमेशा याद करूंगा। प्रीतीश नंदी का जन्म बिहार के भागलपुर में एक बंगाली परिवार में हुआ था। वह एक बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी थे। वह एक चित्रकार, कवि और प्रोड्यूसर भी थे। उन्होंने महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी काम किया। वह तत्कालीन शिवसेना से संसद सदस्य के तौर पर उच्च सदन के लिए चुने गए थे। उन्होंने अंग्रेजी में कविता की 40 पुस्तकें लिखी हैं और बंगाली, उर्दू और पंजाबी के अन्य लेखकों की कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद किया है। साथ ही ईशा उपनिषद का एक नया संस्करण भी लिखा है। इसके अलावा उन्होंने कहानियों और गैर-काल्पनिक पुस्तकों के साथ-साथ संस्कृत से शास्त्रीय प्रेम कविताओं के अनुवाद की तीन पुस्तकें भी लिखी हैं।

कहो ना प्यार है की री-रिलीज को लेकर उत्साहित हैं अमीषा

रोमांटिक फिल्म कहो ना प्यार है फिल्म को सुपरस्टार ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया जाएगा, जो फिल्म की 25वीं वर्षगांठ से चार दिन पहले है।

राकेश रोशन द्वारा निर्देशित कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म से ऋतिक और अमीषा पटेल ने रातों-रात लोकप्रियता और स्टारडम हासिल कर लिया। अब अमीषा ने इसकी री-रिलीज को लेकर उत्साह साझा किया है।

फिल्म की री-रिलीज पर क्या बोलीं अमीषा

इसकी री-रिलीज के लिए मैं खुद बहुत उत्साहित हूं। बड़े पर्दे पर मैंने खुद 25 साल से फिल्म नहीं देखी है। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि में उन फिल्मों का हिस्सा हूं, जो फ्रेंचाइजी में बदलीं और अब री-रिलीज हो रही हैं, जिन्हें फैंस बड़े पर्दे पर दोबारा देखना चाह रहे हैं।

मैं खुश हूं कि मैं उन फिल्मों का हिस्सा रही हूं। अब निर्माता और निर्देशक दोबारा उन यादों को सिनेमाघरों में ला रहे हैं।

फिल्म की रिलीज का पहला दिन रहा यादगार

अमीषा पटेल ने कहो ना प्यार है की रिलीज का पहला दिन याद किया और उसका दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। अभिनेत्री ने कहा कि जब कहो ना प्यार है रिलीज हुई थी तो मैं और ऋतिक इरोस थिएटर गए थे फिल्म देखने के लिए, क्योंकि हमें दर्शकों का रिएक्शन देखना था। इंटरवल से पहले ऋतिक ने कहा कि चलो हम सैंडविच और कोल्ड्रिंक पीकर आते हैं तो हम इंटरवल से पहले निकल गए।

दर्शकों से मिली तारीफ से खुश थे ऋतिक-अमीषा

अमीषा ने आगे कहा कि हम बाहर खड़े थे, लेकिन हम ना खा पाए न फिल्म देख पाए, क्योंकि सभी दर्शक एकदम से हमारे ओर आ गए। वो हमसे ऑटोग्राफ चाहते थे, हमारे साथ फोटोग्राफ लेना चाहते थे।

उन्होंने हमारी तारीफ की, तब हमें महसूस हुआ कि हम रातोंरात मशहूर हो गए हैं और हमें नेशनल क्रश कहा गया। वो बहुत अच्छा अहसास था।

फिल्म के सीक्वल पर क्या बोलीं अभिनेत्री

फिल्म के सीक्वल को लेकर अमीषा पटेल ने कहा कि इसका जवाब ऋतिक रोशन और राकेश रोशन ही दे सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं इस बात की गारंटी दे सकती हूं कि यदि कहो ना प्यार है 2 आती है तो वह सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी।

मेरी बच्ची भारत के गांव से होगी, उसका नाम मलाला होगा: सोमी अली

अभिनेत्री सोमी अली के मन में मां बनने की चाहत जाग गई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी घर बसाने और खुद बच्चे पैदा करने के बारे में क्यों नहीं सोचा? इसके साथ ही अभिनेत्री ने कहा कि वह एक बच्ची को गोद लेने की योजना बना रही हैं। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्होंने कभी घर बसाने और बच्चे पैदा करने के बारे में क्यों नहीं सोचा।

सोमी ने कहा, पहले मैं एक यंग एज में होने वाली समस्या (शादी को हल्के में लेने की समस्या) से ग्रसित थीं। फिर जब मेरे मन में मां बनने की इच्छा जागी तब 'हिरोइन' के सपने ने मुझे इससे दूर रखा और फिर मुझे वास्तविकता का एहसास हुआ। दरअसल, हर परीकथा की एक लाइफ होती है। अली ने आगे कहा, अगर वे गलतियां या दुर्घटनाएं नहीं होती, तो हम ऐसा क्यों कहते? मेरे अस्तित्व के लिए सबसे अच्छी चीज थी, नो मोर टियर्स (संगठन)। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह एक लड़के या लड़की को गोद लेने की योजना बना रही हैं, तो उन्होंने कहा, भारत से एक बच्चे को गोद लेने की योजना है। अभिनेत्री ने कहा, हां मेरी बच्ची भारत के एक गांव से होगी और उसका नाम मलाला अली होगा। मलाला हिंदी फिल्में देखेगी और आर्यन के बेटे पर क्रश करेगी। मेरे पास सिर्फ भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि पूरी तरह से बदलाव लाने का आत्मविश्वास है, बल्कि यह उजागर करने का भी कि नफरत का कारण नागरिक नहीं हो सकते हैं। हमारे पास सोनू सूद जैसे अभिनेता उदाहरण हैं। जो कि समाज में भलाई का काम करने में जुटे हैं। भारत-पाकिस्तान पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, सीमा किस लिए, हमें अलग रखने के लिए? जबकि हम दोनों क्रिकेट खेलते हैं, एक ही भोजन का आनंद लेते हैं और मेरी मां जो मूल रूप से इराक से हैं, वह अमित जी (अमिताभ बच्चन), रेखा जी, काका जी से प्यार करती हैं और मेरे पिता एक फिल्म निर्माता थे, जिन्होंने जावेद अंकल (जावेद शेख) जैसे अभिनेता को इंट्रोड्यूस किया, जो अक्सर हमारे स्टूडियो में आते थे और फिर 'ओम शांति ओम' में भी काम किया। पाकिस्तानी कलाकारों का नाम लेते हुए अभिनेत्री ने कहा, फवाद और माहिरा खान जैसे लोग हिंदी सिनेमा में अभिनय कर रहे हैं.

जेनिफर ने 'अनस्टॉपेबल' को इंस्पिरेशनल बताया, जल्द ही भारतीय दर्शक देख पाएंगे फिल्म

हॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं जो असल कहानियों से इंस्पायर रही हैं। जल्द ही ऐसी ही एक कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। यह कहानी एक अमेरिकी रेसलर एंथनी रॉबल्स की है। वह एक पैर के साथ पैदा हुए, लेकिन आगे चलकर उन्होंने अपनी अलग पहचान रेसलिंग की फील्ड में बनाई, वह नेशनल लेवल के चैंपियन बने। एंथनी की ही कहानी को फिल्म 'अनस्टॉपेबल' में दिखाया गया है।

मां की भूमिका में जेनिफर लोपेज

फिल्म 'अनस्टॉपेबल' में जेनिफर लोपेज, रेसलर एंथनी रॉबल्स की मां जूडी के रोल में हैं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस-सिंगर जेनिफर अपने किरदार और फिल्म के बारे में कहती हैं, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो लगा कि यह एक इंस्पिरेशन स्टोरी है। हमारे पास लैटिनो फैमिलीज की ऐसी कहानी कम ही हैं। इस फिल्म में स्ट्रगल है, लेकिन आखिर में एक शानदार जीत होती है, जो दर्शकों के मन को छू जाएगी। फिल्म में जूडी का किरदार ही है, जो एंथनी की स्ट्रेंथ है। यह एक मजबूत किरदार है।'

रेसलर की मां के साथ जेनिफर की बॉन्डिंग

रेसलर एंथनी की मां जूडी को यकीन नहीं हो रहा है कि उनके किरदार को पर्दे पर जेनिफर लोपेज निभा रही हैं। दोनों के बीच फिल्म की शूटिंग के दोनों काफी अच्छी बॉन्डिंग हो गई। जूडी रॉबल्स कहती हैं, ' जेनिफर लोपेज के पास एक एक प्यारा मन है, वह एक शानदार इंसान हैं, यह सब कुछ कई लोग देख नहीं पाते हैं।

-साभार एजेंसी